पं.क्र. 127/2001
अंक : 08

सुभाष ज्योति

वार्षिक पत्रिका 2020-21

नेताजी सुभाष महाविद्यालय

पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर से सम्बद्ध यू.जी.सी. 2(f) एवं 12 (b) के अंतर्गत
मान्यता प्राप्त व राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद से "बी प्लस ग्रेड" प्राप्त

बेलभाठा, अभनपुर, जिला - रायपुर (छ.ग.)
99261-62830, 94252-14038

राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग का स्वायत्त संस्थान

NATIONAL ASSESSMENT AND ACCREDITATION COUNCIL

An Autonomous Institution of the University Grants Commission

Certificate of Accreditation

The Executive Committee of the
National Assessment and Accreditation Council
on the recommendation of the duly appointed
Peer Team is pleased to declare the

Netaji Subhas College

Belbhatha, Tal. Abhanpur, Dist. Raipur,
affiliated to Pt. Ravishankar Shukla University, Chhattisgarh as

Accredited

with CGPA of 2.55 on seven point scale
at B+ grade
valid up to November 29, 2023

Date : November 30, 2018

Director

EC(SC)/34/A&A/CGCOGN100370

पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर (छ.ग.)

प्रमाण - पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर द्वारा सम्बद्ध अशासकीय महाविद्यालयों के लिए स्थापित गुणवत्ता मापदण्ड के अनुसार निर्मित निष्पादन अनुक्रमणिका में सत्र 2017-18 के लिए नेताजी सुभाष महाविद्यालय, बेलमाठा, अमनपुर ने पूर्णांक 1.0 में से 0.85 अंक अर्जित कर प्रथम स्थान प्राप्त किया है।

पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर नेताजी सुभाष महाविद्यालय, बेलमाठा, अमनपुर को यह प्रमाण-पत्र एव श्री बी.एल. पाण्डेय चल वैजयंती (रनिंग ट्राफी) एक वर्ष 01 मई 2019 से 30 अप्रैल 2020 तक के लिए प्रदान करते हुए उनके उत्तरोत्तर उन्नति की कामना करता है।

स्थान : रायपुर
दिनांक : 01 मई 2019

कुलसचिव

सुभाष ज्योति

महाविद्यालयीन वार्षिक पत्रिका

सत्र 20-21

संरक्षक

डॉ. भूपेन्द्र मिश्रा

अध्यक्ष, शासी निकाय

प्राचार्य

डॉ. व्ही. के. मिश्रा

मुख्य सम्पादक

डॉ. राकेश कुमार तिवारी

विभागाध्यक्ष, शिक्षा विभाग

कार्यकारणी सम्पादक मंडल

डॉ. आशीष दीवान, डॉ.श्रीमति रश्मि मिश्रा, डॉ. विनय कुमार यादव, डॉ. नरेश साहू, डॉ. श्रीमति त्रिवेणी साहू, प्रो. _चा शर्मा, प्रो. सागर दरोकर, प्रो. लखेश्वर साहू, प्रो. विरेन्द्र जांगडे, प्रो. प्रकाश चन्द्र साहू एवं श्री टोजेन्ट वर्मा.

टाईपिंग

श्री ओमप्रकाश साहू, श्री विजय कुमार साहू

सहयोग

बी.पी.एड एवं बी. एड प्रशिक्षार्थीगण

नेताजी सुभाष महाविद्यालय ग्राम–बेलभाठा, अभनपुर जिला–रायपुर(छ.ग.)

श्रद्धेय नमन

स्वः निर्मलादेवी स्मृति शिक्षण समिति द्वारा संचालित नेताजी सुभाष महाविद्यालय की आधारशिला रखते परम पूज्य श्रद्धेयजनों का आशीर्वाद एवं उनकी पुण्य स्मृति में उनके परिवारजनों के तन-मन-धन से प्राप्त सहयोग जिसके फलस्वरूप ही महविद्यालय का सफलतापूर्व संचालन हो पा रहा है, उन श्रद्धेय जनों को महाविद्यालय परिवार शत्-शत् नमन कर श्रद्धा सुमन अर्पित करता है।

परम श्रद्धेय स्मृतिशेष श्रीमति निर्मला देवी मिश्रा
पति स्वः डॉ. नवल किशोर जी मिश्रा(कुसुमकसा)
सोनपुर वाले, ग्राम-सोनपुर, तह. पाटन,
जिला दुर्ग(छ.ग.)

परम श्रद्धेय स्मृतिशेष डॉ. नवल किशोर जी
मिश्रा(कुसुमकसा) सोनपुर वाले,
ग्राम-सोनपुर, तह. पाटन, जिला दुर्ग(छ.ग.)

परम श्रद्धदेय स्मृतिशेष श्री बंशीलाल जी मिश्रा
पिता स्वः श्री गंगा प्रसाद जी मिश्रा राजिम,
परेवा वाले, ग्राम परेवाडीह, तह-कुरूद जिला- धमतरी (छ.ग.)

उपरोक्त श्रद्धेयजनों की पुण्य स्मृति में परिजनों द्वारा प्राप्त वित्तीय अंशदान से महाविद्यालय सामाजिक हित में समाज में शिक्षा के विकास हेतु संचालित है।

अध्यक्ष की कालम से .....

रायपुर जिले मुख्यालय् से ३० कि.मी. दूर अभनपुर परिक्षेत्र में रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रम संचालन के साथ स्थापित नेताजी सुभाष महाविद्यालय बेलभाठा, ग्रामीण अंचल में निवासरत् प्रत्येंक वर्ग के विद्यार्थियों की व्यावसायिक शिक्षा से जोड़ने में सफल रहा है।

महाविद्यालय वर्ष २००६ से ही गुणवता पूर्ण शिक्षा स्वयं के स्वामित्व की भूमि पर निर्मित पूर्ण रूप से तकनीकी व आवश्यक सुविधाओं से सुसज्जित संसाधन विद्यार्थियों हेतु एक सुरक्षित वातावरण में प्रदाय करता आ रहा है।

वर्तमान कोविड १६ महामारी के समय में भी शिक्षकों के द्वारा ऑनलाईन क्लासेस के माध्यम से अध्ययन-अध्यापन की प्रक्रिया को सुचारू रूप से जारी रखा गया है। लॉक डॉउन के समय में विभिन्न संकायों द्वारा विभिन्न विषयों को लेकर गेस्ट लेक्चर और वेबीनार का आयोजन महाविद्यालय के द्वारा किया गया ताकि शिक्षक एवं विद्यार्थी विषय विशेषज्ञों द्वारा दी गई जानकारी को प्राप्त कर सके और उनका लाभ उठा सके।

अततः महाविद्यालय प्रबंधन समिति की ओर से विश्वास दिलाता हूँ कि आपके पाल्य/पाल्या महाविद्यालय के अनुशासित व सुरक्षित वातावरण में स्वयं को सुरक्षित महसूस करते हुए अपने उज्जवल भविष्य की ओर अग्रसर होकर आपका व महाविद्यालय का नाम रौशन करेंगे।

मुझे विश्वास है कि यह पत्रिका एक मार्गदर्शक व प्रेरक का कार्य करेगी संस्था की प्रगति की कामना करते हुए पत्रिका के सम्पादक मंडल एवं सभी विद्यार्थियों को मेरी हार्दिक शुभकामनायें।

डॉ. भूपेन्द्र मिश्रा

अध्यक्ष, शासी निकाय
नेताजी सुभाष महाविद्यालय
बेलभाठा, अभनपुर

सम्पादकीय.....

ज्ञान की कोई सीमा नही हाती है। सीखने की प्रक्रिया जीवनपर्यन्त चलते रहती है। छात्र प्रतिदिन अपने विभिन्न क्रियाकलापों से अनेक बाते सीखतें है। शिक्षा का उद्देश्य सीखने की प्रक्रिया में क्रमबद्धता लाना है जिससे छात्र के सीखने की प्रक्रिया निश्चित दिशा की ओर जा सके। विभिन्न शैक्षणिक एवं पाठ्यसहगामी क्रियाओं के मध्य संतुलन स्थापित करना भी शिक्षा का उद्देश्य है। शिक्षा का उद्देश्य स्वास्थ्य, बौद्धिक शक्ति, सौन्दर्यात्मक अभिव्यक्ति एवं मूल्यांकन तथा विद्यार्थियों में नैतिक शक्तियों का विकास संबंधित क्षमताओं का विकास करना भी है।

विद्यार्थियों में सृजनात्मक चिंतन का विकास किया जाना चाहिए। व्यक्ति का अस्तित्व केवल किसी भी प्रकार से जीवन यापन करना नहीं है बल्कि जीवन के उद्देश्यो की पहचानना एवं उद्देश्यपूर्ण जीवन व्यतीत करना है। इसके लिए शिक्षा की आवश्यकता होती है। सद्गुणों से युक्त व्यक्ति ही अपना तथा समाज का कल्याण कर सकता है। शिक्षा के द्वारा सद्गुणों का विकास किया जाना चाहिए।

प्रस्तुत महाविद्यालयीन पत्रिका **"सुभाष ज्योति"** का यह ०८ विशेषांक है जिसे संपादक मंडल के सभी सदस्यों तथा विद्यार्थियों के सहयोग से आप तक पहूँचाने का प्रयास किया जा रहा है। महाविद्यालय के उज्जवल भविष्य की कामनाओं के साथ **सुभाष ज्योति** 2021 का यह अंक सादर प्रस्तुत किया जा रहा है।

डॉ. राकेश कुमार तिवारी

विभागाध्यक्ष शिक्षा विभाग

कल है परीक्षा और हम बेखौफ बैठे है।

था एक जमाना किताबों से पढ़ने का ।

अब तो हाथ में मोबाईल लिए बैठे

घर बैठे बच्चे युवा विद्यार्थी शिक्षक सब कैसे लाचारी मैं।

अब तो परीक्षा का रूप ही बदल दिया कोरोना जैसे महामारी ने।।

स्कूल कालेज बंद हो गई, अब तो घर बैठे परीक्षा का प्रमाण कोई,।

सबका पास परिणाम आया न फेल किसी की आनी है।।

ज्ञानप्रकाश साहू
बी.पी.एड तृतीय सेमे.

मिलकर कोरोना का हराना है।
मिलकर कोरोना को हराना है।।
घर से हमें कहीं नहीं जाना है।
हाथ किसी से नहीं मिलाना है।।
चेहरे को हाथ नहीं लगाना है।
मिलकर कोरोना को हराना है।।
बार-बार अच्छे से हाथ धोने जाना है।
सेनेटाइज करके देश को स्वच्छ बनाना है।।
बचाव ही इलाज है यह समझाना है।
मिलकर कोरोना को हराना है।।
कोरोना से हमकों नहीं घबराना है।
सावधानी रख कर कोरोना को मिटाना है।।
मास्क, सेनेटाइजर व दूरी बनाकर रहना है।
देशहित में सभी को यह कदम उठाना है।।
मिलकर कोरोना को हराना है।
मिलकर कोरोना को हराना है।।

ओमप्रकाश साहू
सहायक ग्रंथपाल

कोरोना से बचाव

रात ११ बजे कोरोना से मुलाकात हो गई,
चलते चलते ६ फीट दूर से बात हो गयी।
मैने कहा कोरोना बड़ा ऊधम मचाए हों,
चुनावी रैली छोड़कर क्यों स्कूलों और कालेजों में आये हो।
क्या तुमकों भी लगता है डर सरकारी आयोजनों से,
या लाए गए हो तुम भी किन्हीं प्रयोजनों से ।
अब मैं तुमसे तुम्हारा इलाज चाहता हूँ,
कल या परसों नही अभी और आज चाहता हूँ।
ये सुनकर कोरोना रूआंसा होकर बोला,
कवि महोदय तुम सब की पीड़ा गाते हो।
मैं भी तो पीड़ित हूँ क्यों ना मेंरी व्यथा सुनाते हो।।
मै तो पहले आया था लेकिन अब बुलाया है,
सत्ता के सरदारों ने मुझको हथियार बनाया है।

उनकी मर्जी से ही अब मै अंदर बाहर जाता हूँ,
फिर भी जाते जाते तुम्हें मै अपना इलाज बताता हूँ,
जहॉ जहॉ हिन्दुस्तान में चुनाव कराया जाएगा।
वहॉ कोरोना का एक भी मरीज नही पाया जाएगा।
देश की भोली जनता में समझ का अभाव है,
सुनों कविवर मेरा इलाज सिर्फ और सिर्फ चुनाव है।

रानी उपाध्याय
बी.पी.एड प्रथम सेमे.

वीर सैनिक

सरहद पर खड़े रखवालों को, इस देश के पहरेदारों को।
दिल से मेरा सलाम है, दिल से मेरा सलाम है।।
ये देश चैन से सोता है, वो पहरे पर जब होता है।
जो ऑख उठाता है दुश्मन, तो अपनी जान वो खोता है।।
उनकी वजह से आज सुरक्षित, ये सारी अवाम है।
दल से मेरा सलाम है, दिल से मेरा सलाम है।।
काम नहीं आसान है ये, दिल पत्थर करना पड़ता है।
देश या फिर घरबार में से, किसी एक को चुनना पड़ता है।।
तब जाकर मिलता है कहीं, इस देश का अराम है।
दल से मेरा सलाम है, दिल से मेरा सलाम है।।
अगला जन्म में जब भी पाऊं, इसी धरा का मैं हो जाऊं।
दिल में भारत माता हो, गीत उसी के सदा मैं गाऊं।।
हर सैनिक के दिल में, सदा रहता यही अरमान है।
दल से मेरा सलाम है, दिल से मेरा सलाम है।।

प्रवीण साहू
बी.एड तृतीय सेमे.

झांक रहे हम सबके ऑगन, अपने ऑगन झांके कौन।
ढूँढ़ रहे दुनियॉ में खामी, अपने मन में झॉके कौन।।
सबके भीतर चोर छुपा है, उसको अब ललकारे कौन।
दुनियॉ सुधरे सब चिल्लाते, खुद को आज सुधारे कौन।।
पर उपदेश कुशल बहुतेरे, खुद पर आज बिचारे कौन।
हम सुधरें तो जग सुधरेगा, इस मुद्दे पर सब है कौन।।

रंजना साहू
सहा.प्रध्यापक शिक्षा विभाग

ठोकर खा कर गिर ना फिर, खुद को खुद ही संभालना।
फिर दोबारा से चलना ही संघर्ष है, यही जीवन का सत्य है।।
हमें खुद पर गर्व होना चाहिए कि, जीवन के सफर में ।
हम इतनी दूर तक आ गए, और हमें खुद पर भरोसा होना चाहिए
कि हम और दूर तक जा सकते है।।

ज्योति सिन्हा
बी.एड तृतीय सेमे.

एक क्रांतिकारी

भारत में एक क्रांतिकारी आया था,
अंग्रेजों को उसने बहुत सताया था।
आज़ाद हिन्द फोज बनाकर उसने,
सबके दिलों में विश्वास दिलाया।।

आजादी का हौसला पूरे देश में जगाया था,
"जय हिन्द" और "चलो दिल्ली " का नारा उसी ने लगाया था।
लोगो को हकीकत से रूबरू कराया था,
जब खून मांगकर आजादी देने का वादा सबसे करवाया था।
इस क्रांतिकारी ने विश्व में बहुत नाम कमाया था,
इसलिए यह इतिहास में सबसे ऊपर आया था।
इस क्रांतिकारी ने अंग्रेजों को लाचार बनाया था,
और भारत देश में "नेताजी" का गौरव पाया।
यह महान पुरूष "नेताजी सुभाष चन्द्र बोस कहलाया" था।
इस महान पुरूष ने अपना जीवन गवाया था,
जब विमान दुर्घटना का समाचार सामने आया था।
लेकिन इस रहस्यमयी समाचार को कोई समझ न पाया था, क्योकि नेताजी को उसके बाद भी कई लोगो ने जगह-जगह पर पाया था। इस दुखद समाचार को सुनकर पूरा भारत जय हिन्द जय हिन्द चिल्लया था। आजादी में नेताजी का योगदान बहुत काम आया था। तभी तो हिन्दुस्तान आज़ादी का स्वाद चख पाया था।
नेताजी ने अपना वर्चस्व देश में ऐसा फैलाया था कि आज़ादी के बाद भारतीय सेनाओं ने जय-हिन्द का नारा अपनाया था।

पूर्णिमा यादव
बी.एड तृतीय सेमे.

पहले सी अब दिखती नहीं है, रौनकें बाजार की।
हर ओर सन्नाटा यहॉं, हर रोज बढ़ते फासले।।
हर रोज मौतें बढ़ रही, हर ओर दुख के काफिले।
कैसी महामारी चली, धुन थम गयी संसार की।।
वे वक्त के मजदूर है, पर वक्त से मजबूर है।
ताले लगे रास्ते रूके, जाएं कहां वे दूर हैं।।
सुनता कहां मालिक भला, चीखे चहां लाचार की।
है पीठ पर गठरी लदी, औ कांध पर बच्चे लदे जाना है।
मीलों दूर तक पर प्राण फंदों में फॅंदे, है जान सांसत में पड़ी।।
खुद ही यहां सरकार की, कैसा भयंकर वायरस।
जीवन हुआ इससे विरस, हर शख़्स संक्रामक हुआ।।
वर्जित हुआ उसका परस, बस मास्क में महफूज है।
सांसे सकल संसार की, संदिग्ध है हर छींक तक।
संगीन है वातावरण, अस्पृश्यता ने हर लिया।।
है सभ्यता का आवरण, चूले एकाएक हिल उठी।
अस्तित्व के दीवार की, है चीन से फैला जहर।
ईरान पर बरपा कहर, इटली बना शमशान है।।
बज उठा यू. एस में बजर, संभावनाएं क्षीण है।
इस व्याधि के उपचार की, ठप हुए उत्पादन सभी।।
चुक रहे संसाधन सभी, शेयर सभी लुढ़के पड़े।
बेअसर आवाहन सभी, पहले सी अब दिखती नहीं है।।

ईश्वरी घृतलहरे
बी.एड तृतीय सेमे.

शिक्षा

वो देश की नई पीढ़ी, शिक्षा तो है आगे बढ़ने की सीढ़ी।
शिक्षा अगर न होती तो, कैसे मिलते अनमोल मोती।।
वो देश की नई पीढ़ी, शिक्षा तो है आगे बढ़ने की सीढ़ी।
शिक्षा ही तो है ऐसी खान, तभी तो करते है गुणों का बखान्।।
वो देश की नई पीढ़ी, शिक्षा तो है आगे बढ़ने की सीढ़ी।
शिक्षा हम सबकी है शान, सच कहो आज यहीं है भगवान।।
वो देश की नई पीढ़ी, शिक्षा तो है आगे बढ़ने की सीढ़ी।
कठिन संघर्ष में भी इंसान, बनते बनते बज जाते महान।।
वो देश की नई पीढ़ी, शिक्षा तो है आगे बढ़ने की सीढ़ी।
शिक्षा तो मेहनत में रंग लाएगा, वो दिन आएगा जब तू सफल हो जाएगा।
वो देश की नई पीढ़ी, शिक्षा तो है आगे बढ़ने की सीढ़ी।।

प्रीति चौहान
बी.एड. तृतीय सेमे.

सफलता के रास्ते पर चलते, तनिक भी मिलने वाली हार
से लोग फिर कोशिश करना, छोड़ देते है सफलता के रास्ते
में यही उनकी सबसे बड़ी, बाधा बनती है।

वर्षा रानी
बी.एड. तृतीय सेमे.

माँ

बाजुओं में खींच के आ जायेगी जैसे कायनात।
अपने बच्चे के लिए ऐसे बाहें फैलाती है माँ।।
ज़िदगी के सफ़र मे गर्दिशों में धुप में।
जब कोई साया नहीं मिलता तब बहुत याद आती है माँ।
प्यार कहते है किसे, और ममता क्या चीज़ है।
कोई उन बच्चों से पूछे जिनकी मर जाती है माँ।
सफा-ए-हस्ती पे लिखती है, असूल-ए-ज़िन्दगी।।
इसलिए तो मक़सद-ए-इस्लाम कहलाती है माँ।
जब ज़िगर परदेस जाता है ए नूर-ए-नज़र कुरान।
लेकर सर पे आ जाती है माँ।
लेके ज़मानत में रज़ा-ए-पाक की, पीछे पीछे सर झुकाए दुर तक जाती है माँ।
कॉपती आवाज में कहती है बेटा अलविदा, सामने जब तक रहे हाथों को लहराती है माँ। जब परेशानी में फॅस जाते है हम परदेश में, आंसुओं को पोछने ख्वाबों में आ जाती है माँ मरते दम तक आ सका न बच्चा घर परदेश से अपनी सारी दुआएं चौखट पे छोड़ जाती है माँ रूप बेटी का बदल के घर में आ जाती है माँ।

किरण साहू
बी.एड. तृतीय सेमे.

कोरोना से जंग

मत घबराओं मेरे दोस्तों, ये दिन भी बीत जायेगें।
साथ हो आपका तो कोरोना से जंग भी जीत जोयेगें।।
लिख रही कुछ शब्द, इसे मेरी गुजारिश समझना।
भारतवासी हूँ नाम निशा मुझे अपना दोस्त समझना।
फिर से वही सुबह होगी, फिर रहेगी चहल-पहल।।
सब दुकाने खुलेगी, होगा गाड़ियों का कोलाहाल।
कुछ दिन घर पर रहेगें, तो कल न हम पछताएगें।
साथ हो आपका तो कोरोना से जंग भी जीत जोयेगें।।

उम्मीद जिंदा रखों, उम्मीद पर दुनिया कायम है।
सुबह निकालने वाला सूरज शाम को होता है मध्दम।।
डॉक्टर, नर्स, कर्मचारी खातिर हमारे दिन-रात डटे है।
हमारे देश की पुलिस भी कोरोना भगाने हेतु अडे है।।
मोदी जी ने घर पर रहिये बोल यह कदम उठाया है।
अब बारी हमारी है मोदी जी ने अपना फर्ज निभाया है।।
ये ऐसी लड़ाई जिसे हम घर पर रहकर लडेगें।
साथ हो आपका तो कोरोना से जंग भी जीत जोयेगें।
मत घबराओं मेरे दोस्तों, ये दिन भी बीत जायेगें।।

निशा शर्मा
बी.एड प्रथम सेमे.

लक्ष्य की प्राप्ति

एक लड़के ने एक बार एक बहुत ही धनवान व्यक्ति को देखकर धनवान बनने का निश्चय किया। वह धन कमाने के लिए कई दिनो तक मेहनत कर धन कमाने के पीछे पड़ा रहा और बहुत सारा पैसा कमा लिया। इसी बीच उसकी मुलाकात एक विद्वान से हो गई। विद्वान के ऐश्वर्य को देखकर आश्चर्यचकित हो गया और अब उसने विद्वान बनने क निश्चय और अगले हि दिन से धन कमाने को छोड़ कर पढ़ने-लिखने में लग गया। वह अभी अक्षर ज्ञान बस हि सिख पाया था कि, इसी बीच उसकी मुलाकात एक संगीतज्ञ से हो गई। उसको संगीत से अधिक आकर्षण दिखाई दिया, इसलिए उसी दिन से उसने पढ़ाई बंद कर दी और संगीत सिखने में लग गया।
इसी तरह काफी उम्र बित गई, न वह धनी हो सका, न विद्वान और न ही एक अच्छा संगीतज्ञ बन पाया। तब उसे बड़ा दुख हुआ। एक दिन उसकी मुलाकात एक बहुत बड़े महात्मा से हुई उसने महात्मा को अपने दुःख का कारण बताया महात्मा ने उसकी परेशानी सुनी और मुस्कुराकर बोले बेटा, दुनिया बड़ी ही चिकनी है, जहॉ भी जाओगें कोई न कोई आकर्षण जरूर दिखाई देगा। एक निश्चय कर लो और फिर जीते उसी पर अमल करते रहो तो तुम्हें सफलता की प्राप्ति अवश्य हो जाएगी, नही तो दुनिया के झमेलों मे यू ही चक्कर खाते रहोगें। बार बार रूचि बदलते रहने से कोई भी उन्नति नही कर पाओगे।
युवक महात्मा की बात को समझ गया और एक लक्ष्य निश्चित कर उसी का अभ्यास करने लगा।
उपर्युक्त प्रसंग से हमें यह शिक्षा मिलती है कि हम जिस भी कार्य को करे, पुरे तन और मन से एकाग्राचित होकर करे, बार-बार इधन-उधर भटकने से बेहतर यही है कि एक जगह टिककर मेहनत की जाए, तभी सफलता प्राप्त की जा सकती है।

हेमा बंजारे
बी.एड तृतीय सेमे.

गलती का पश्चाताप

अध्यापक द्वारा कक्षा में गणित की परीक्षा ली गई। परीक्षा लेने से पहले उन्होने सभी विद्यार्थियों से कहा, जो विद्यार्थी सबसे अधिक अंक प्राप्त करेगा उसे पुरस्कार दिया जायेगा। परीक्षा में केवल एक ही प्रश्न दिया गया। सभी विद्यार्थी उस प्रश्न को हल करने और पुरस्कार प्राप्त करने में जुट गये।
लेकिन प्रश्न अत्यंत कठिन था सरलता से हल नहीं किया जा सकता था। सभी विद्यार्थी जी जान से जूटे हुए थे। बहुत समय तक कोई भी विद्याार्थी उस प्रश्न को हल नही कर सका। अंत में एक बालक प्रश्न हल करके अध्यापक के सामने पहुॅचा। अध्यापक महोदय ने प्रश्न और उसका हल देखा और पाया कि हल सही है। उन्होने इन्तजार किया कि शायद अन्य कोई विद्यार्थी भी सही हल निकाल कर ले आए, किन्तु देर तक कोई भी विद्यार्थी सही हल नही निकाल सका। समय पूरा हो चूका था।

अध्यापक महोदय न सही हल निकालकर लाने वाले को पुरस्कार दिया। पुरस्कार-प्राप्त विद्यार्थी नाचते गाते खुशी से झूमते अपने घर पहुॅचा। दूसरे सभी विद्यार्थी हैरान थे कि यह लड़का सही हल कैसे निकाल सका, क्योकि पढ़ने-लिखने में वह बालक मंदबुद्धि था।

अगले दिन अध्यापक महोदय ज्यों ही कक्षा में आए,त्यों ही पुरस्कार-प्राप्त विद्यार्थी लपक कर उनके चरणों से लिपट गया और फूट-फूट कर रोने लगा। सभी विद्यार्थी और अध्यापक हैरान थे कि इसे क्या हो गया है।

अध्यापक ने उससे पूछा, क्या बात है तुम रोते क्यों हो ? तुम्हें तो खुश होना चाहिए कि पुरस्कार प्राप्त करके तुमने अच्छा विद्यार्थी होने का प्रमाण दिया है। वह बालक रोते हुए बोला आप यह पुरस्कार वापस ले लिजिए श्री मान। पर क्या? अध्यापक ने पूछा इसलिए कि मै इस पुरस्कार का अधिकारी नहीं हूॅ। मैने पुस्तक में से देखकर चोरी करके प्रश्न सही हल निकाला था। मैने अपनी योग्यता से सही हल नही निकाला था। आप यह पुरस्कार वापस ले लीजिए और मेरी भूल के लिए मुझे क्षमक र दीजिए। भविष्य में मैं ऐसी गलती कभी दोबारा नहीं करूॅगा, बालक ने कहा।

अध्यापक ने उसे वापस बुलाकर कहॉ सही हल तुम्हें नहीं आया, लेकिन धोखा देना भी तुम्हें नहीं आता। धोखा देना और चोरी करना तुम्हारा स्वभाव नहीं है, इसलिए कल घर जाने के बाद तुम्हारा मन दुखी रहा और तुमने सही बात कह डाली। तुमने सही हल नही निकाला मुझे इसका दुःख नहीं है, पर तुमने सही बात कह डाली, उसकी मुझे बहुत खुशी है। गलती मान लेने वाले बालक बड़े होकर बड़ा नाम और काम करते है। आगे चलकर यह बालक न्यायमूर्ति गोपाल कृष्ण गोखले के नाम से जाना गया।

पायल
बी.एड तृतीय सेमे.

दृढ़ निश्चय

एक बार एक संत महाराज किसी काम से एक कस्बे मे पहुंचे। रात्रि में रूकने के लिए वे कस्बे के एक मंदिर में गए। लेकिन वहा उनसे कहा गया ि कवे इस कस्बे का कोई ऐसा व्यक्ति ले आए, जो उनको जानता हों। तब उन्हें रूकने दिया जाएगा। अनजान कस्बे में उन्हे कौन जानता था? दूसरे मंदिर और धर्मशालाओं में भी वहीं समस्या आयी। अब संत महाराज परेशान हो गए रात काफी हो गयी थी और वे सड़क किनारे खड़े थे। तभी एक व्यक्ति उनके पास आया उसने कहा मै आपकी समस्या से परिचित हूॅ। लेकिन मै आपकी गवाही नहीं दे सकता। क्योंकि मै इस कस्बे का नामी चोर हूॅ अगर आप चाहे तो मेंरे घर पर रूक सकते है। आपको कोई परेशानी नहीं होगी।

संत महाराज बड़े असमंजस में पड़ गए एक चोर के यहॉ रूकेगें। कोई जानेगा तो क्या सोचेगा? लेकिन कोई और चारा भी नहीं था। मजबूरी में वो यह सोचकर उसके यहां रूकने को तैयार हो गए कि कल कोई दूसरा इंतजाब कर लूंगा। चोर उनको घर में छोड़कर अपने काम यानी चोरी के लिए निकल गए। सुबह वापस लौटकर आया तो बड़ा प्रसन्न था उसनें स्वामी जी को बताया कि आज कोई दांव नहीं लग सका। लकिन अगले दिन जरूर लगेगा।

चोर होन के बावजूद उसका व्यवहार बहुत अच्छा था जिसके कारण संत महाराज उसके यहॉ एक महीने तक रूकें। वह प्रत्येक रात को चोरी करने जाता। लेकिन पूरे माह उसका दांव नहीं लगा। फिर भी वह प्रसन्न था उसे दृढ़ विश्वास था कि आज नही तो कल मेंरा दांव जरूर लगेगा पूरे एक माह बाद उसे एक बड़ा मौका हाथ लगा। ?

महात्मा जी ने सोचा यह चोर कितना दृढ़ निश्चयी है। इसे अपने ऊपर अटूट विश्वास है। जबकि हम लोग थोड़ी सी असफलता से विचलित हो जाते है। अगर इसकी तरह दृढ़ निश्चय और विश्वास हो तो सफलता निश्चित मिलेगी।

सीख– यह प्रेरक प्रसंग हमें सिखाता है कि हमें असफलताओं से विचलित और निराश नहीं होना चाहिए। दृढ़ निश्चय और निरंतर प्रयास से सफलता अवश्य मिलती है।

माया सिंह राजपूत
बी.एड प्रथम सेमे.

जिन्दगी और मौत

जिन्दा थे तो किसी ने पास बिठाया हि नहीं।
अब मेंरे चारो ओर बैठ जा रहें है।
जिन्दा थे तो किसी ने हाल नही पूछा।
अब मेंरे लिए ऑसू बहाये जा रहें है।।
एक रूमाल भी भेंट नहीं किया जब हम जिन्दा थे।
अब चादर और कपड़ा चढ़ाये जा रहें है।।
सबको पता है ये चादर और कपड़ा मेंरे काम का नहीं है।
मगर फिर भी बिचारे दुनिया दारी निभाये जा रहे है।।
कभी किसी ने एक वक्त का खाना ना खिला सका।
अब देशी घी मेंरे मुहॅ में डाले जा रहें है।।
जिन्दगी में एक कदम भी साथ न चल सका कोई।
अब फूलों से सजाकर कंधो पर उठाये जा रहें है।।
आज पता चला कि जिंदगी से मौत बेहतर है।
हम तो बेवजह कि जिन्दगी की चाहते किये जा रहे थे।

रविना टंडन
बी.एड प्रथम सेमे.

कविता

इतिहास का मै आइना हूॅ, तहजीब का रंग सुनहरा हूॅ।
गंगा जमूना मेंरी ऑखे है, मै नए भारत का चेहरा हूॅ।।
मै कल भी था मै आज भी हूॅ, मै नव युग का अंदाज भी हूॅ।
सारे दुनिया का घर मुझमें है, इस मिट्टी का अदा मुझमें है।।
मै देश भक्त भी गहरा हूॅ, मै नयें भारत का चेहरा हूॅ।
मै बेटी की मुस्कान में हूॅ, मै नारी के सम्मान में हूॅ ।
मै बेटी की मुस्कान में हूॅ, मै नारी के सम्मान में हूॅ।।
विज्ञान में और किसान में हूॅ, मै सीमाओं का पहरा हूॅ।
मै नए भारत का चेहरा हूॅ, मै नए भारत का चेहरा हूॅ।।
अब चॉद पे पार जाना है, सुरज से ऑख मिलाना है।
एक नया सवेरा लाना है, संकल्प नया दोहराना है।।
न ठहरा था न ठहरा हूॅ, न ठहरा था न ठहरा हूॅ।
मै नए भारत का चेहरा हूॅ, मै नए भारत का चेहरा हूॅ

तुलेश्वरी तारक
बी.एड प्रथम सेमे.

कहानी

एक बार एक केकड़ा समुद्र किनारे अपनी मस्ती में चला जा रहा था और बीच बीच में रूक रूक कर अपने पैरो के निशान देख कर खुश होता। आगे बढ़ता पैरों के निशान देखता उससे बनी डिज़ाइन देखकर और खुश होता इतने में एक लहर आयी और उसके पैरो के सब निशान मिट गये।

इस पर केकड़े को बड़ा गुस्सा आया, उसने लहर से बोला ए लहर मै तो तुझे अपना मित्र मानता था, पर ये तूने क्या किया मेरे बनाये सुन्दर पैरो के निशान को ही मिटा दिया कैसी दोस्त हो तुम? तब लहर बोली वो देखो पीछे से मछुआरे लोग पैरो के निशान देख कर ही तो केकड़ो को पकड़ रहे है। हे मित्र तुमको वे पकड़ न ले, बस इसीलिए मैने निशान मिटा दिए। सच यही है कई बार हम सामने वाले की

बातो को समझ नहीं पाते और अपनी सोच अनुसार उसे गलत समझ लेते है जबकि हर सिक्के के दो पहलू होते है। अतः मन वें वैर लाने से बेहतर है कि हम सोच समझ कर निष्कर्ष निकाले।

सपना डेहरीया
बी.एड प्रथम सेमे.

माँ

प्यारी जग से न्यारी माँ, खुशियॉ देती सारी माँ।
चलना हमें सिखाती माँ, मंजिल हमें दिखती माँ।।
सबसे मीठा बोल है माँ, दुनिया में अनमोंल है माँ।
खाना हमें खिलाती है माँ, लोरी गाकर सुलाती है माँ।
प्यारी जग से न्यारी माँ, खुशियॉ देती सारी माँ।।

मै बोझ नहीं हूँ

शाम हो गई अभी, तो घुमने चलो न पापा।
चलते-चलते थक गई, कंधे पे बिठा लो न पापा।।
अँधेरा से डर लगता, सीने से लगा लो न पापा।
मम्मी तो सो गई, आप ही थपकी देकर सुलाओं न पापा।।
स्कूल तो पूरी हो गई, अब कॉलेज जाने दो न पापा।
पाल पोस कर बड़ा किया, अब जुदा तो मत करों न पापा।।
अब डोली में बिठा ही दिया तो, आँसू तो मत बहाओं न पाना।
आपकी मुस्कुराहट अच्छी है, एक बार मुस्कुराओं न पापा।।
आप ने मेंरी हर बात मानी, एक बात और मान जाओं न पापा।
इस धरती पर बोझ नही मै, दुनिया को समझाओं ना पापा

भीमेश्वरी साहू
बी.एड प्रथम सेमें.

जनता कर्फ्यू

पंछी आज अचंभित है, जाने क्यूं आज सब भयभीत है।
क्यू आज इन सुनसान राहों पर, वाहनों की शोरगुल है।।
कम क्यू आज नही दिख रही कोई आँखे नम।
क्या यह आकस्मिक शांत जग किसी बड़ी अनहोनी का संकेत है।।
या फिर आज पहली बार हर कोई एक दूसरे के खातिर सचेत है।
रोजमर्रा की भाग दौड़ से क्या इंसान आज सचमुच थक गया है।।
या फिर मृत्यु के भय से आज वह सचमुच सहम गया है।
आज इंसान के घर क्यूं भरे-पूरे लग रहें है।
बड़े बुजुर्ग, बच्चे सब संग-संग खेल रहे है।।
क्यों आज आकाश साफ है और पंछीयों की चहचाहट साफ सुनाई पड़ रही है।
क्यो सच्ची इंसानियत आज इंसानों के चेहरे पर दिखाई पड़ रही है।।
क्यूं आज संजदे में उठ रहे है, इंसानो की बाहें।
शायद ईश्वर उन्हें दिखा रहा है सच्ची-सीधी राहें।।
क्या सचमुच आज इनके कंधो से,अनावश्यक जिम्मेदारियों का बोझ उतर गया है।
या प्रकृति से मनचाहा खेलवाड़ करने से, आज मानव का मूँह गिर गया है।।
आज ऐसा लगता है मानो, जीवन थम सा गया है।
मानव मानों आज इस भॉन्ति में रम सा गया है।।
दिन के उजियारो में भी क्यों ऐसा लग रहा है।
मानो आज सुबह हुई ही नहीं किसी मंदिर में पूजा, मंस्जिद में नमाज।
गिरजा में प्रार्थना या गुरूद्वारे में मानो माथा टिका ही नही।।

क्यों संध्या बेला में अचानक ये शंखनाद व तालियों की गूंज से।
सारा माहौल भर गया है, मानव शायद आज पहली बार तहे दिल से,
सच्ची मानवता के प्रति शुक्रिया अदा कर रहा है।।

अघन कुमार
बी.एड प्रथम सेमे.

गुरू की महिमा

तुम्हारे पद चरणों में नमन सौ बार है गुरूवर, नमन सौ बार है गुरूवर।
तुम्हारे पद चरणों में नमन सौ बार है गुरूवर, नमन सौ बार है गुरूवर।।
कृपा की एक किरण दे दो, दुःखी संसार है गुरूवर, दुःखी संसार है गुरूवर।
तुम्हारे पद चरणों में नमन सौ बार है गुरूवर, नमन सौ बार है गुरूवर।।
कृपा से आपकी नद भी सुपावन नीर बन जाता।
कृपा पाकर मरूस्थल भी गंगा तीन बन जाता।।
मनुजता पर तुम्हारा तो बहुत आभार है गुरूवर।
तुम्हारे पद चरणों में नमन सौ बार है गुरूवर।।
तुम्हें छू लौह कण भी हो गये अनमोल कंचन से।
निरर्थक वृक्ष भी सुरभित हुए हर ओर चन्दन से।।
सहज सानिध्य से सबका किया उपकार है गुरूवर।
तुम्हारे पद चरणों में नमन सौ बार है गुरूवर।।
तुम्हीं ने सूत्र सिखलाया, विचारो को बदलने का।
तिमिर में आचरण बल से दिये की भांति जलने का।।
प्रखरता की मिली तुमसे हमें पतवार है गुरूवर।
तुम्हारे पद चरणों में नमन सौ बार है गुरूवर।।
समर्पित ज्यों शिवाजी का, गुरू के वास्ते प्रण था।
विवेकानंद का गुरू के, लिए जैसा समर्पण था।।
हमारे कर्म चिंतन पर वही अधिकार हैं गुरूवर।
तुम्हारे पद चरणों में नमन सौ बार है गुरूवर।।
तुम्हारी ज्ञानगंगा की सुधा सबको पिलाएगें।
हृदय निष्प्राण है जिनके सरस उनको बनायेंगें।।
बने जीवन्त वे जिनको, सृजन स्वीकार है गुरूवर।
तुम्हारे पद चरणों में नमन सौ बार है गुरूवर।।
कृपा की एक किरण दे दो, दुःखी संसार है गुरूवर।
पद चरणों में नमन सौ बार है गुरूवर, सौ बार है गुरूवर।।

कमल नाथ
बी.एड प्रथम सेमे.

बेटिया

भक्ति पूजा आराधना, न जाने किन-किन तरीको से मुझे बुलाते हो, जब भी दर्शन देने आती हूँ, मुझे गर्भ में ही मरवाते हो....
न्वरात्र के नौ दिन, जोरो-शोरो से मेरे नाम का जयकारा लगाते हो, नवमी के दिन, मेरे मेरे नौ रूपों को नौ कन्या मानकर, गाँव-गाँव कन्याये खोजते फिरते हो,
मुझे मनाने, प्रसन्न करने के लिए, ना जाने कितने भेट चढ़ाते हो, पर्वत पहाड़ चढ़कर मेरे दरबार आते हो, फिर क्यों? जब भी देर्शन देने आती हूँ, मुझे गर्भ में ही मरवाते हो....
बेटे की चाह में, मेरे द्वार आते हो, और बेटी हो जाने पर, मताम मानते हो, लड़के की चाह में, ना जाने कितने बार तुम मेरा तिरस्कार करते हो, फिर क्यों?
पूजा पाठ करके मुझे बुलाते हो, और जब भी दर्शन देने आती हूँ, तो क्यों? मेरे दरबार आते हो, माँ लक्ष्मी हूँ, पर उससे पहले, मैं भी एक बेटी हूँ।

नोट- मेरे द्वारा लिखी इस कविता में, मनुष्य तुलना या बराबरी, किसी भगवान से करना नहीं अपितु जो लोग ऐसे अपराध करते हैं जो बेटियों तुच्छ समझते है, बच्चों को गर्भ में ही मरवाते है, लड़की हो जाने पर उसे किसी बेकार वस्तु की तर कूड़े में फेक जाते है उन्हें ये बताना है कि, लड़के की चाह लिए तुम जिसके दरबार जाते हो वो भी एक बेटी है, कन्या है, लड़की हैं...
फिर क्यों? स्वयं की बेटी हो जाने पर ऐसे अपराध करते हों? आखिर क्यों?

खुशबू अग्रवाल
बी.एड तृतीय सेमे.

बरगद का पेड़

किसी गावं में बरगद का एक पेड़ बहुत वर्षों से खड़ा था। गांव की महिलाएं त्यौहारों पर उस वृक्ष की पूजा किया करती थी। ऐसे ही समय बीतता गया। और कई वर्षों बाद वृक्ष सूखने लगा। उसकी शाखाएं टूटकर गिरने लगीं और उसकी जड़े भी अब कमजोर हो चुकी थीं। गांव वालों ने विचार किया कि अब इस पेड़ को काट दिया जाये और इसकी लकड़ियों से गृहविहीन लोगो के लिए झोपड़िया का निर्माण किया जाये।
गांववालों को आरी-कुल्हाड़ी लाते देख, बरगद के पास खडा एक वृक्ष बोला-दादा आपको इस लोगों की प्रवृत्ति पर जरा भी क्रोध नहीं आता, ये कैसी स्वार्थी लोग है। जब इन्हें आपकी आवश्यकता थी तब ये आपकी पूजा किया करते थें, लेकिन आज आपकों टूटते हुए देख कर काटने चले है।
बूढ़े बरगद ने जवाब दिया- नहीं बेटे मै तो यह सोचकर बहुत प्रसन्न हूँ कि मरने के बाद भी मै आज किसी के काम आ सकूंगा असल बात यह है कि परोपकारी व्यक्ति सदा दूसरों के प्रति करूणा का भाव रखते है। और उनकी खुशी और उनके सुख में अपना सुख समझते है।

विभा आडिल
बी.एड तृतीय सेमे.

जिज्ञासा

कल हो या विज्ञान हो या कोई और हो सृष्टि के रचयिता साक्षात् भगवान एक रहस्य का उद्भेदन ना कर पाए। यही मेरी शोध की जिज्ञासा बढ़ाए की आखिर माँ के पास ही क्यों है। अपने बच्चों की समस्त समस्याओं के उपाय .....

किरण सिन्ही
बी.एड प्रथम सेमे.

कट रहीं है जिंदगी जैसे जी रहे वनवास में।
हम तो स्वास्थ्यकर्मी है, ड्यूटी करना हर हाल में।।
हम तड़पते है ड्यूटी पर, परिवार चिंतित है गांव में।
जिंदगी मानों ठहर सी गयी, बेड़ी जकड़ी पांव में।।
सब विभागों में छुट्टी हो गयी, स्वास्थ्य ने पकड़ी रफ्तार।
ताना मारकर लोग कहे, लुट लेती है अस्पाताल ।।
कमरों में राशन नहीं, फिर भी डूयूटी पर जाते है।
सारी दुकान बंद हो जाती, जब हम वापस आते है।।
माँ बाप याद कर पूछ रहें, बेटो तुम क्या खाते हो।
जब पुरा देश बंद है, तो तुम ड्यूटी क्यों जाते हो।।
यहॉ सब कुछ मिल रहा है, झुठ बोलकर समझाते है।
इस देश के लिए समर्पित जीवन, इसलिए ड्यूटी जाते है।।
हम तो स्वास्थ्यकर्मी है। साहब केवल अपनी ड्यूटी निभाते है।।

केशरी साहू
बी.एड तृतीय सेमे.

माँ-पापा पेड़ की तरह है

माँ बाप का दिल जीत लो कामयाब हो जाओगे।
वरना सारी दुनिया जीतकर भी तुम हार जाओगें।

एक बच्चे को आम का पेड़ बहुत पसंद था। उस पेड़ के पास पहुंच जाता है। पेड़ के ऊपर चढ़ता आम खाता खेलता और थक जाने पर उसी के छाया में सो जाता। बच्चे और आम के पेड़ के बीच एक अनोखा रिस्ता बन गया। जैसे-जैसे उसने पेड़ के पास आना कम कर दिया, कुछ समय बाद आना बंद हो गया।

आम का पेड़ उस बालक को याद करके अकेला रोता। एक दिन आचानक पेड़ ने उस बच्चे की अपनी तरफ आते देखा और पास आने पर कहॉ तू कहॉ चला गया था। मैं रोज तुम्हें याद किया करता था। चलों आज फिर से दोनो खेलते है। बच्चे न आम के पेड़ से कहा अब मेरी खेलने की उम्र नहीं है। मुझे पढ़ना है। लेकिन मेरे पास फीस भरने के लिए पैसा नहीं है। पेड़ ने कहा तू मेरे आम लेकर बाजार में बेंच दे, इससे पैसा मिलेगा उससे अपनी फीस भर देना।

बच्चे न आम के पेड़ से सारे आम तोड़ लिए और उस सब आम को लेकर वहां से चला गया उसके बाद दिखाई नहीं दिया आम का पेड़ हर पल उसका राह देखता रहता एक दिन वो फिर आया और कहने लगा। अब मुझे नौकरी मिल गई है। मेरी शादी हो चुकी है मुझे मेरा अपना घर बनाना है। लेकिन इसके लिए मेरे पास अब पैसे नहीं है। आम के पेड़ ने कहा तू मेरी सभी डालियों की काट कर ले जा और उससे अपना घर बना ले। उस जवान लड़के ने पेड़ की सभी डालिया काट ली और लेकर चला गया।

आम के पेड़ के पास अब कुछ नहीं था वो अब बिल्कुल बंजर हो गया कोई उसे देखता भी नहीं था। पेड़ ने भी उम्मीद छोड़ दी थी। कि अब वों लड़का उसके पास फिर आयेगा। फिर एक दिन अचानक वहां एक बूढ़ा आदमी आया उसने आम के पेड़ से कहॉ शायद आपने मुझे नहीं पहचाना मै वहीं बालक हूँ जो बार-बार आपके पास आता था और आप हमेशा अपने टुकड़े काटकर भी मद्द करते थें। आम के पेड़ ने दुःख के साथ कहा पर बेटा मेरे पास अब ऐसा कुछ भी नहीं बचा है जो मैं तुम्हें दे सकू।

आज कई माँ-बाप उस बंजर पेड़ की तरह अपने बच्चों की राह देख रहे है जाकर उनसे लिफ्टे उनके गले लग जाये, फिर देखना वृद्धावस्था में उनका जीवन फिर से अंकुरित हो उठेगा। किसी कवि ने क्या खूब ही कहा है बड़े बुजुर्गो की उंगलियों में कोठ ताकत तो ना थी।

मगर जब मेरा सर झुका तो सर पर रखें का कांपते हाथों ने जमाने भर की दौलत दे दी।

बंद किस्मत के लिए कोई ताली नहीं होती सुखी उम्मीदों की कोई डाली नहीं होती।

टिका राम
बी.एड.प्रथम सेमे.

The four keys of Success the great keys to success to change your life have always been the success.

1. Decide exactly what you want and where you want to go.
2. Set a deadline and make a plan to get there Remember,a goal is just a dream with a deadline.
3. Take action on your plan do something every day to move to ward your
4. Resolve in advance that you will persist until you succeed, that you will never,ever give up.

Neeraj kanouje
B.Ed 1st sem

इंसान की कीमत

एक बार एक टीचर क्लास में पढ़ा रहें थे। बच्चों को कुछ नया सिखाने के लिए टीचर ने जेब से १०० रूपये का एक नोट निकाला। अब बच्चों की तरह वह नोट दिखाकर कहा– क्या आप लोग बता सकते है कि यह कितने रूपये का नोट है।

सभी बच्चों ने हाथ खड़ा कर दिया। अब उस टीचर ने उस नोट को मुठ्ठी में बंद करके बुरी तरह मसला जिससे वह नोट बुरी तरह कुचल सा गया। अब टीचर ने फिर से बच्चों को नोट दिखाकर कहा कि अब या नोट कुचल सा गया। अब इसे कौन लेना चाहेगा? सभी बच्चों ने फिर हाथ उठा दिया। अब उस टीचर ने उस नोट को जमीन पर फेंका और अपने जूते से बुरी तरह कुचला। फिर टीचर ने नोट उठाकर फिर से बच्चों को दिखाया और पूछा कि अब इसे कौन लेना चाहेगा? सभी बच्चों ने फिर से हाथ उठा दिया। अब टीचर ने कहा कि बच्चों आज मैंने तुमको एक बहुत बड़ा पढ़ाया है। ये 100 रूपयें का नोट था, जब मैने इसे हाथ से कुचला तो ये नोट कुचल गया लेकिन इसकी कीमत १०० रूपये ही रहीं, इसके बाद जब मैने इसे जूते से मसला तो ये नोट गन्दा हो गया लेकिन फिर भी इसकी कीमत 100 रूपये ही रही। ठीक वैसे ही इंसान की जो कीमत है और इंसान ठीक वैसे ही इंसान की जो कीमत है और इंसान की जो काबिलियत है वो हमेशा वहीं रहती है आपके ऊपर चाहे कितनी भी मुश्किलें आ जाएँ चाहे जितनी मुसीबतों की धूल आपके ऊपर गिरे लेकिन आपको अपनी कीमत नहीं गंवानी है। आप कल भी बेहतर थें और आज भी बेहतर है।

सरोज डहरिया
बी. एड तृतीय सेमे.

जीने की राह....

ऐं जिन्दगी उदास ना हो, अभी तो किस्सा बाकी है।
तेरे ही पहलु में छुपा हुआ, एक और हिस्सा बाकी है।।
शायद जिन्दगी ने संयोजी हो, खुशि उनमें।
शायद जागीर ने जगायी हो, कलियॉ उनमें।
हिम्मत हार कर मत बैठ तू यू, तेरे ही भरोसे कुछ लोग और भी है।
तेरे ही पहलू में छुपा हुआ एक और हिस्सा बाकी है।।

पिता....

पिता एक सम्बल एक शक्ति है, सृष्टी में निर्माण की अभिव्यक्ति है।
साधारण से दिखने वाले एक अद्भुत व्यक्तित्व के मालिक ये मेरे पिता है।।
संघर्ष और कठिनाइयों को अपने भाग्य में लिखवाकर लाये थें। कर्म पर विश्वास करने वाले भला भाग्य से कब हार मानते है। उन्होनें हमें भी यही शिक्षा दी। हमेशा यही कहते काम कुछ भी करो पर ईमानदारी से करो, कोई देखे या ना देखे ईश्वर जरूर देखता है।

सपना सिंह
पी.जी.योगा

वाइरस से तुम क्यों डरते हो...

हे गरीब हे असहाय इंसान भला तुम क्यों? वाइरस से इतना डरते हो, मैंने सुना है क्योंकि, तुम आए दिन हर हालातों में मरते हो, मरते हो कुपोषण से मरते हो भुखमरी से, किसी दिन किसी गाड़ी से फुटपाथ में कुचले ले जाते हो। हे गरीब हे असहाय इंसान मरते हो ठंड में तुम, एक कंबल के अभाव से मरते हो बारिश में तुम कड़कती बिजली के टकराव से, कभी–कभी तुम तो चमकी बुखार से भी मरते हो, हे गरीब हे असहाय इंसान धर्म, जाति, वर्णो के शोषण से तुम कुचले जाते हो, साजिशों के पीछे नुकीली हथियारों से गोभे जाते हो मानो तु इंसान नहीं बेजान से प्रतीत होते हो इसलिए तुमसे पूछ लिया कि भला तुम क्यों? वायरस से इतना डरते हो, वायरस से इतना डरते हो।

डेविड
बी.सी.ए तृतीय वर्ष

रात 11 बजे कोरोना से मुलाकात हो गई।
चलते चलते 6 फीट दूर से बात हो गयी।
मैंने कहा कोरोना बड़ा ऊधम मचाए हो।
चुनावी रैली छोड़कर क्यों स्कूलों और कालेजों में आयें हो।
क्या तुमकों भी लगता है डर सरकारी आयोजनों से।
या लाए गए हो तुम भी किन्हीं प्रयोजनों से ।
अब मैं तुमसे तुम्हारा इलाज चाहता हूँ।
कल या परसों नहीं अभी और आज चाहता हूँ।
ये सुनकर कोरोना रूआंसा होकर बोला।
कवि महोदय तुम सब की पीड़ा गाते हो।
मै भी तो पीडित हूँ क्यों ना मेरी व्यथा सुनाते हो।
मैं तो पहले आया था लेकिन अब बुलाया है।
सत्ता के सरदारों ने मुझको हथियार बनाया है।
उनकी मर्जी से ही अब मै अंदर बाहर जाता हूँ।
फिर भी जाते-जाते तुम्हें मैं अपना इलाज बताता हूँ।
जहॉ-जहॉ हिन्दुस्तान में चुनाव कराया जाएगा,
वहां कोरोना का एक भी मरीज नही पाया जाएगा।
देश की भोली जनता में समझ का अभाव है ।
सुनों कविवर मेरा इलाज सिर्फ और सिर्फ चुनाव है।

रानी उपाध्याय
बी.पी.एड प्रथम सेमे.

आत्मचिंतन

बीता समय अतीत चिंतन में, वर्तमान न सोचा भविष्य चिंतन में।
उमर गुजार दी बातों ही बातों में, आत्मचिंतन न किया जीवन में।।
दूसरों की कमजोरी बता बर्बाद किए, बहुमल्य समय गंवा अपने को न अबाद किए।
हर्ष विषाद में समय गंवाए, सम न हुए जिंदगी में आत्मचिंतन न किया जीवन में।।
मोटर की सवारी अश्वगज पर चढ़े, देशों दिशावर और उड़ चुके आकाश में।
जीवन के अनमोल समय गंवाए सोने में, आत्मपुर न पहुँच व्यर्थ किया जीवन को।।
उँचे-उँचे महल बनाए, बाग बगीचे लगाए दान, यज्ञ कर चारों और यश फैलाए।
आत्मयश प्राप्त न किया जीवन में, इतिहास कविता संहिता सारी उमर सुनते रहे।।
मीठे सुरीले राग सदा पड़ते कानों में रहे, किस्से कहानियाँ सुना व्यर्थ आयु गंवा दी।
आत्मचिंतन न किया जीवन में।।
खाते रहे मिष्ठान, मेवे, चटपटे भोजन, जितने पदार्थ है जग में सबका स्वाद लिया।
अनेक व्यंजन खाए आसक्त होकर स्वाद में, आत्मरस न चखा जीवन में।।
उपवन, मधुवन घूमें आसक्त होकर गंधो में, सुन्दर वाटिका देखे प्रफुल्लित मन में।
आत्मचिंतन न किया जीवन में।।

डॉ. आशीष दीवान
प्रो.शारीरिक शिक्षा

dy xhr
lR;&f'ko&lUnj l vfHkef=r lgkou
Kku dk] foKku dk ;g rhFk ikou
fo'o Hkj dh pruk dk Loj cuA

ikouh fp=kRiyk&flfpr /kjk ij
df"k&[kfut&ou lEink dk mUu;u dj
;g uoy bfrgkl dk ;'k&/kj cuA
fo'o Hkj dh pruk dk Loj cuA
'kku/k fur foKku dk gj i{k lRoj
Mkyrk xr0; e uo uho&iLrj]
u0; 'kkf/kr Kku tu&fgrdj cuA
fo'o Hkj dh pruk dk Loj cuA
lkLd`frd 'kHk lEink&l;Dr /kjkgj
py jgk iFk ij ixfr d ;g fujrj
fo'o dh jtuh e ;g fnudj cuA
fo'o Hkj dh pruk dk Loj cuA

Netaji Subhash college Belbhata Abhanpur Raipur (C.G)

List of Meritorious Students who got place in merit List

Pt. Ravishankar Shukla university Level

S.NO	NAME OF STUDENT	CLASS	YEAR	MERIT POSITION
01	Prabhati Nayak	B.Ed.	2018-20	Gold Madilist 1st position
02	Dharmendra kumar Mandley	B.P.Ed.	2018-20	Gold Madilist 1st position
03	Ravindra kumar khande	B.P.Ed.	2018-20	2nd Position
04	Kavita Kanwar	B.P.Ed.	2018-20	4th Position
05	Yadram	B.P.Ed.	2018-20	6th Position
06	Ratna kumari	B.P.Ed.	2018-20	8th Position
07	Jagriti sahu	B.P.Ed.	2018-20	10th Position
08	Kiran kumar	B.C.A.	2017-20	2nd Position

urkth lqHkk"k egkfo|ky; cyHkkBk vHkui|j]jk; i|j¼N-x-½

lkLdfrd@lkfgfR;d@ØhMk ifr;kfxrk

2019&2020

EVENT		DATE
¼v½ vUrjd{kk [kydn ifr;kfxrk & 2020&21		
Nk= ,o Nk=k oxl gr| ifr;kfxrk;s&		
1-dforkk	&	07 uoEcj 2020
2-pVdyk Li/kk	&	09 uoEcj 2020
३. ukVd	&	नहीं
4-QUlh MªI Li/kk ¼fo"k; lkekftd vkfFkd jktuhfrd enn½	&	20 uoEcj 2020
5-vrk{k.kh Li/kk	&	21 uoEcj 2020
6-egnh Li/kk	&	27 uoEcj 2020
7-oLV eVfj;y efdx Li/kk	&	28 uoEcj 2020
8-lkekU; Kku ifr;kfxrk	&	ugh
9-okn&fookn	&	04 fnlEcj 2020
10-rkRdkfyd Hkk"k.k Li/kk	&	05 fnlEcj 2020
11-fucU/k y[ku Li/kk	&	11 fnlEcj 2020
12-jxkyh Li/kk	&	12 fnlEcj 2020
13-ifVx Li/kk	&	19 fnlEcj 2020
14-'krjt ¼i|:"k ,o efgyk½	&	ugh
15-dje ¼i|:"k ,o efgyk½	&	ugh
dloy Nk=k oxl gr| ifr;kfxrk;s&		
I. lk¶Vcky Fkk Li/kk	&	ugh
II. Lyk lk;dy jl Li/kk	&	ugh
III. jLlh dn jl	&	ugh
IV. jLlk [khp	&	ugh
,Y;|feuh ehV ¼2020&21½	&	19]20]21 uoEcj 2021
16-0;tu ifr;kfxrk(Best Recipe Compitition)	&	ugh
17-dcMMh Li/kk ¼i|:"k ,o efgyk½	&	ugh
18-ckyhcky Li/kk¼ i|:"k ,o efgyk½	&	ugh
'k{kf.kd Hkze.k	&	ugh
19-,dy xk;u Li/kk	&	26 fnlEcj
20-leg xk;u Li/kk	&	ugh
21-,dy uR; Li/kk	&	28 fnlEcj
22-leg uR; Li/kk	&	ugh
23-Vfful cky fØdV Li/kk¼i|:"k ,o efgyk½	&	ugh
24-[kks&[kks Li/kk¼i|:"k ,o efgyk½	&	ugh
25-,FkyfVDl Li/kk	&	ugh
26-ckLdV cky ¼ i|:"k ,o efgyk ½	&	ugh
27-cky cMfeUVu ¼ i|:"k ,o efgyk½	&	ugh
28-¶ykoj Mdkj'ku ,o Dykl Mdkj'ku Li/kk	&	okf"kd mRlo dk ,d fnu iwo
0kf"kd mRlo lkLdfrd dk;Øe ^^jxkjx^^	&	ugh
,d fnolh; LokLF; ,o tupruk f'kfoj	&	20 Qjojh 2020

urkth lqHkk"k egkfo|ky; cyHkkBk vHkuiqj]jk; iqj¼N-x-½

lkLdfrd@lkfgfR;d@jpukRed vkUnksyu ifr;ksfxrk d ifj.kke

2020&21

dzekd	lkLdfrd@lkfgfR;d	fnukd	ifj.kke
01	dfork	07 uoEcj	1-'kSy'k¼ch-ih-b- f}rh;½ 2-xkih fd'kku ¼ch-,M-r`rh; lse-½
02	Qslh MsI	20 uoEcj	1-nqxkZ pUnzdj¼ch-ih-,M-r`rh; l-½ 2-fjPkk xkZre ¼ch-,M-r`rh; lse-½ 3- ihfr Jhokl¼ch-lh-,-f}rh;½
03	okn fookn	04 fnlEcj	1-xkih fd'kku ¼ch-,M-r`rh; lse-½ 2-nqxkZ pUnzdj¼ch-ih-,M-r`rh; l-½ 3-gsek ctkj¼ch-,M-r`rh; lse-½
04	rkRdkfyd Hkk"k.k	01 tuojh	1-ique lkgw¼ih-th-Mh-lh-,½ 2-v'ouh lkgq ¼ch-ih-,M-iFke l-½ 3-xkih fd'kku ¼ch-,M-r`rh; lse-½
05	ifUVx	15 tuojh	1-fodkl dqekj ¼ch-,M-iFke lse-½ 2-xtsUnz lkudj ¼ch-ih-,M-iFke l-½ 3-vt; dqekj ¼ch-lh-, r`rh;½
06	jxksyh	31 fnlEcj	1-QkYxq.kh lkgw¼ch-ih-b- f}rh;½ 2-vkjrh lkgq ¼ch-ih-b- iFke½ 3-fjPkk xkZre ¼ch-,M-r`rh; lse-½
07	okLV eVfj;y	08 tuojh	1-QkYxq.kh lkgw¼ch-ih-b- f}rh;½ 2-v'ouh lkgq ¼ch-ih-,M-iFke l-½ 3-t;=h lkjh¼ch-ih-,M-iFke l-½
08	egnh	02 tuojh	1-ih;k c?ksy¼ch-ih-b- f}rh;½ 2-QkYxq.kh lkgw¼ch-ih-b- f}rh;½ 3-J)k ifjgkj¼ih-th-;ksxk
09	,dy uR;	16 tuojh	1-fjPkk xkZre ¼ch-,M-r`rh; lse-½ 2-eqtq yrk Hkkjrh¼ch-lh-, iFke½ 3-e/kfydk c/ksy¼ ch-ih-,M iFke lse-½ 3-ysd'ojh]nqxkHkkjrh]gsek¼ch-lh-,-r`rh;½
10	,dy xhr	26 fnlEcj	1-xkih fd'kku ¼ch-,M-r`rh; lse-½ 2-'kSy'k¼ch-ih-b- f}rh;½
11	vrk{kjh	21 uoEcj	1-¼ch-ih-b-f}rh;½ 2-¼ch-lh-, f}rh;½

आत्मनिर्भर भारत

आत्मनिर्भर होना हर व्यक्ति, समाज और राष्ट्र का स्वप्न होता है। हमारे भूतपूर्व प्रधानमंत्री श्रीमति इंदिरा गांधी ने भी कहा है। कि एक राष्ट्र की शक्ति उसकी आत्मनिर्भरता में है। दूसरों से उधार लेकर काम चलाने में नहीं। आत्मनिर्भर राष्ट्र ही अपने राष्ट्र को सर्वोपरि बना सकता है। क्योंकि जो राष्ट्र आत्मनिर्भर होता है। अपने पैरों पर खड़ा होता है। वही अपने आप में सबसे अच्छा होता है। उदाहरण के तौर पर यदि बैसाखी के सहारे चलने वाले व्यक्ति की बैसाखी छीन ली जाये तो वह चलने में असमर्थ हो जाता है। ठीक उसी प्रकार यही स्थिति दूसरों पर निर्भर रहने वाले राष्ट्र की हो जाती है।

दोस्तों यदि हम किसी भी सामान के लिए दूसरे देश पर निर्भर रहते है और किसी कारणवश वह सामान हमारे यहॉ नहीं आ पाता है तो हमारी स्थिति बहुत जर्जर हो जाती है। लेकिन अगर वही सामान हमारे राष्ट्र में बनता है तो हमें ज्यादा फर्क नहीं पड़ता है। वर्तमान समय में यदि हम इतिहास के पृष्टों को पलट कर देखें, तब जब भारत परतंत्र था, यह अपने विकास के लिए अंग्रेजों पर निर्भर था। लोग चाहकर भी अपना और देश का विकास नहीं कर सकते थे। किन्तु स्वतंत्रता के उपरांत भारत आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर हुआ और आज कि स्थिति यह है कि यह विश्व में कोहिनूर की भांति चमकता आ रहा है या चमकता है। आज देखिये भारत स्तर पर अपने जो संसाधन है। जो हमारे राष्ट्र में ही निर्मित है। तो उसमें कुछ हद तक अपनी पहचान बना चुका है।

हाल ही में भारत के प्रधानमंत्री में भारतीय उद्योग परिसंघ वार्षिक सत्र 2020 को वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से संबोधित करते हुए आत्मनिर्भर भारत के निर्माण की आवश्यकता पर बल दिया है। कि हमें आप निर्भरता का जो फैसला है। वह लेना चाहिए भारत जो कि वासुदेव कुटुम्बकम की संकल्पना में विश्वास करता है। भारत अगर प्रगति करता है तो वह दुनिया की प्रगति में भी अपना योगदान देता है। आत्मनिर्भर भारत कार्यक्रम के तहत भारत को उस बाज की तरह ऊंची उड़ान भरनी चाहिए जो कि सबसे ऊपर पहुंच कर भी हर जीव पर नजर रखता है।

प्रधानमंत्री द्वारा आत्मनिर्भर भारत अभियान का आह्वान करते हुए 20 लाख करोड़ की विशेष आर्थिक पैकेज की घोषणा की थी। आसान शब्दों में कहा जाए तो शिक्षा ही एकमात्र साधन है जिस पर मानव जाति का भविष्य निर्भर करता है। प्रधानमंत्री जो उन्होनें यह कार्यक्रम चलाया है। भारत अपने पैरों पर खड़ा हो सके। भारत की पहचान बन सके। हम अपने प्राचीन जो हमारे महापुरूष उनकी बात करते है हमारे राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का सपना था कि भारत स्वदेशी चीजों को अपनाएं तथा देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनायें। वर्तमान समय में फिर से आज मुझे उनका यह सपना पूरा होता नजर आ रहा है। आत्म निर्भरता का अर्थ यह नहीं है कि हम चीन के सामान या अन्य किसी देश के सामान का आयात बंद कर दें। ऐसा नहीं है कि हम उनका आना बंद कर दे। इसका मतलब है कि हमारा खुद का सामान इतना सस्ता और अच्छा हो ताकि विदेश का माल को छोड़कर लोग स्वयं जो स्वदेशी सामान है उसको अपनाये या खरीदें। क्योंकि कहा गया है कि जबरदस्ती कराया गया काम कुछ वर्ष ही ठीक रहता है लेकिन स्वेच्छा से किया गया काम उम्र भर चलता है। अतः अंत में हम जिस राष्ट्र की मिट्टी में पले बढ़े है जिस राष्ट्र का हमने खाया है, क्यों ना उस राष्ट्र का कर्ज हम स्वदेशी वस्तुओं को अपनाकर भारत को विकासशील नहीं बल्कि विकसित देशों में शामिल करे। तभी हम पूरी तरह से कह पायेगे कि हॉ मैं भारत का निवासी हूँ जो कि आर्थिक, सामाजिक, राजनीतिक दृष्टिकोण से स्वतंत्र राष्ट्र है। तभी हमारा स्वतंत्र भारत का सपना पूरा हो सकेगा।

TOZENT
KUMAR VERMA
(LDC)

बेटियां

बेटी की प्यार को कभी आजमाना नहीं,
वह फूल है, उसे कभी रूलाना नहीं।
पिता का तो गुमान होती है बेटी,
जिन्दा होने की पहचान होती है बेटी।।

उसकी आंखें कभी नम न होने देना,
उसकी जिन्दगी से कभी खुशियाँ कम न होने देना।
उंगली पकड़ कर कल जिसको चलाया था तुमने,
फिर उसको ही डोली में बिठाया था तुमने।।

बहुत छोटा सा सफर होता है बेटी के साथ,
बहुत कम वक्त के लिये वह होती हमारे पास।
असीम दुलार पाने की हकदार है बेटी,
समझो भगवान् का आशीर्वाद है बेटी।।

डेनिस कुमार साहू
सहा.ग्रंथपाल

प्राचार्य की कलम से.....

विद्यालय चरित्र निर्माण की उद्योगशाला है। कोरा ज्ञान व्यर्थ होता है जब तक इस सद्ज्ञानके प्रभाव से व्यक्तियों में सद्गुणों(सत्यता, कर्मशीलता, सदाचार और परोपकार) का विकास नहीं होगा।

सद्गुणों से ही युक्त व्यक्ति ही अपना तथा समाज का कल्याण कर सकता है। यह केवल शिक्षा के द्वारा ही संभव है।

विद्यार्थियों के लिए व्यवसायिक रोजगारोन्मुखी व गुणवत्ता युक्त शिक्षा उपलब्ध करना व संचालित करना नेताजी सुभाष महाविद्यालय का उद्देश्य है।

इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए ग्रामीण अंचल में स्थापित हमारी संस्था विद्यर्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है। हमारा महाविद्यालय पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर(छ.ग.) से स्थायी संबंद्धता प्राप्त तथा NCTE व विश्वविद्यालय अनुदान आयोग UGC की धारा 2(f) व 12(B) के अन्तर्गत मान्यता प्राप्त है। साथ ही वर्ष 2018 में राष्ट्रीय मानक मूल्यांकन व प्रत्यायन परिषद NAAC के द्वारा CGPA-2.55 के साथ B+Grade घोषित किया गया है।

विद्यार्थियों में व्यावसायिक गुणों के विकास के लिए महाविद्यालय निरंतर प्रयासरत रहा है। आज ब्अपक.१६ महामारी के समय में भी ऑनलाईन शिक्षण की व्यवस्था सभी संकायों में निरतंर जारी है। गेस्ट लक्चर वेबीनार के माध्यम से लगातार निद्यार्थियों तक नई जानकारी पहुँचाने का प्रयास महाविद्यालय द्वारा किया जा रहा है। इसका परिणाम है कि संस्था में अध्ययनरत् ग्रामीण अंचल के विद्यार्थीगण अपनी प्रतिभा के बल पर विश्वविद्यालय के प्रावीण्य सूची में विगत कई वर्षो से स्थान प्राप्त करने में सफल हो पा रहें है। यह बात चरितार्थ देखने को मिली है कि प्रतिभा किसी की मोहताज नहीं रहती है अवसर उपलब्ध होने पर अवश्य ही निखर के सामने आती है।

वार्षिक पत्रिका “सुभाष ज्योति” का प्रकाशन हमारा एक सहज प्रयास है। यह पत्रिका युवाओं के रचनात्मक उर्जा का विकास सृजनक्षमता का प्रदर्शन,व्यक्तित्व व अभिव्यक्ति को प्रदर्शित करने का सशक्त माध्यम होगा। वही दूसरी ओर संस्था के शैक्षणिक क्रियाकलापों का वार्षिक विवरण की झलक इसमें दृष्टिगोचर होगी।
मैं पत्रिका “सुभाष ज्योति” को सुन्दर और सहज स्वरूप में प्रकाशित करने के लिए समस्त विद्यार्थियों एवं संपादक मंडल के सदस्यों को अपनी हार्दिक शुभकामनाएँ व्यक्त करता हूँ।

धन्यवाद

डॉ. व्हीं.के. मिश्रा
प्राचार्य
नेताजी सुभाष महाविद्यालय,
बेलभाठा, अभनपुर

राष्ट्रीय सेवा योजना

राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई नेताजी सुभाष महाविद्यालय बेलभाठा,अभनपुर जिला–रायपुर छ.ग. का यह द्वितीय वर्ष रहा जिसमें स्वयं सेवको के द्वारा महाविद्यालय, पी.जामगॉव तथा अपने अपने गांवों में वृक्षारोपण, साफ सफाई, योगा, पेंटिग, रंगोली, निबंध लेखन, स्लोगन लेखन, कोविड–19 से बचाव तथा टीकाकरण ब्लू बिग्रेड से जुड़कर अपने गांव में बच्चों, महिलाओं को टीकाकरण तथा पोषण आहार की जानकारी दिया।

कोविड–19 पूरे विश्व में अपना प्रकोप जमाये है उस समय में हमारा भारत के साथ छत्तीसगढ़ भी इससे अछूता नही रहा है, इस महामारी के दौरान हमारे महाविद्यालय के स्वयं सेवकों ने भी अपने अपने गांवों में घर–घर जाकर मास्क वितरण, कोविड की जानकारी तथा बचने के उपाय के साथ टीकाकरण हमारे लिए बहुत जरूरी है, इसके जानकारी दिया गया।

एक दिवसीय सामाजिक जनचेतना एवं निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर 2021 का आयोजन 20 फरवरी 2021 को ग्राम पंचायत सोनेसिल्ली के स्कुल प्रागंड में किया गया जिसमें गांव में रैली निकालकर जन जागरूकता के साथ स्वास्थ्य शिविर में 260 लोग ने जॉच कराने में भाग लिया साथ ही सास्कृतिक मंच के माध्यम से लोगो को जागरूक किया जिसमें गीत, नृत्य, नुक्कड़ नाटक, की मनमोहक प्रस्तुती दिया गया।

रा.से.यो. के द्वारा कोविड 19 जागरूकता रैली ऑनलाईन मोड पर कोविड से बचाव के उपाय, शिक्षक दिवस, युवा दिवस, गाँधी जयंती, रा.से.यो. दिवस, संविधान दिवस, खेल दिवस, एड्स दिवस, सुभाष जयंती, आदि का आयोजन किया गया। जिसमें दीलिप, देवेश,भोजेश्वरी,अंबिका,दुर्गा,फाल्गुणी,धर्मेन्द्र,गोविन्द,शैलेश,हेमंत,जितेन्द्र,ज्ञान प्रकाश,मधुलिका,प्रवीण,कुलेश,दीपिका,आदि स्वयं सेवको का सराहनीय योगदान रहा।

बेस्ट स्टूडेन्ट

- निरज कनौजे (बी.एड.प्रथम सेमे.)
- केशरी साहू (बी.एड.तृतीय सेमे.)
- मंजूलता भारती(बी.सी.ए. प्रथम वर्ष)
- निखिल कुमार साहू(बी.सी.ए. प्रथम वर्ष)
- वंदना(बी.सी.ए. तृतीय वर्ष)
- शुभम वैष्णव(डी.सी.ए.प्रथम सेमे.)
- हरिश्चन्द्र देवांगन(पी.जी.डी.सी.ए.प्रथम सेमे.)
- प्रवीण साहू (बी.पी.एड प्रथम सेमे.)
- धर्मेन्द्र नेताम(बी.पी.एड प्रथम सेमे.)
- नवीन कुमार भारती(बी.पी.एड प्रथम वर्ष)
- शैलेष कुमार(बी.पी.ई द्वितीय वर्ष)

गोल्ड मेडलिस्ट

प्रभाति नायक
कक्षा बी.एड.2018-20

धर्मेन्द्र कुमार माण्डले
कक्षा बी.एड.2018-20

महाविद्यालय में अध्यापक एवं विद्यार्थीगण द्वारा वृक्षा रोपण करते हुए

INDEPENDENCE DAY (15Aug.2020)

जनचेतना एवं स्वास्थ्य परीक्षण शिविर ग्राम–सोनेसिली(20.02.2021)

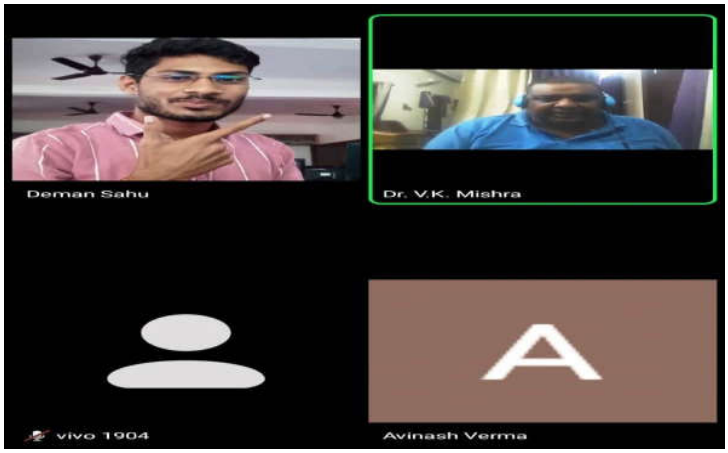

Online staff meetting

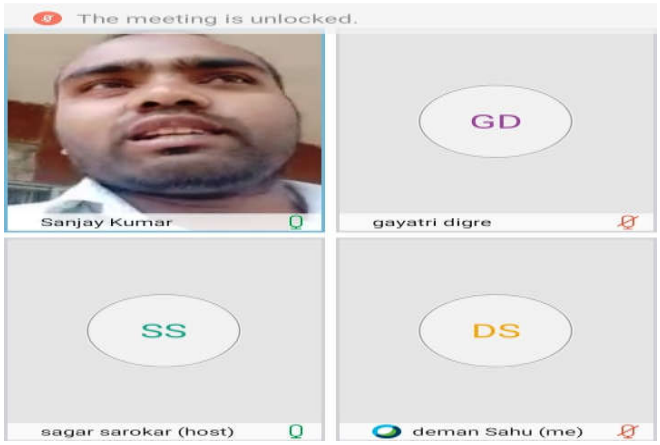

Online line Allumni

गॉधी जयंती ०२ अक्टूबर

ऑनलाईन मेंहदी प्रतियोगिता(02.01.2021)

ऑनलाईन आर्ट क्रॉफ्ट डिजॉइन प्रतियोगिता(08.01.2021)

ऑन लाईन रंगोली प्रतियोगिता (02.01.2021)

खेल दिवस 29 अगस्त 2020

राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा लोगो को जागरूकता कार्यक्रम

विश्व पर्यावरण दिवस(05.06.2021)

स्वामी विवेकानंद जयंती कार्यक्रम

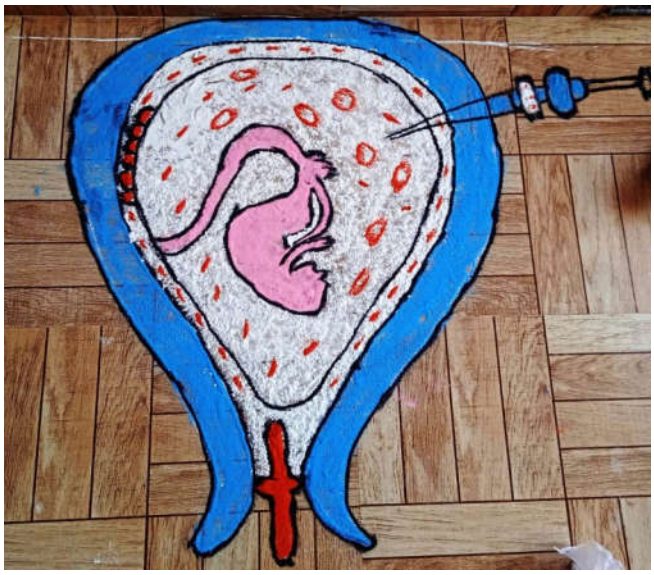

रंगोली प्रतियोगिता कार्यक्रम (31.12.2020)

National webinar 11.04. 2021

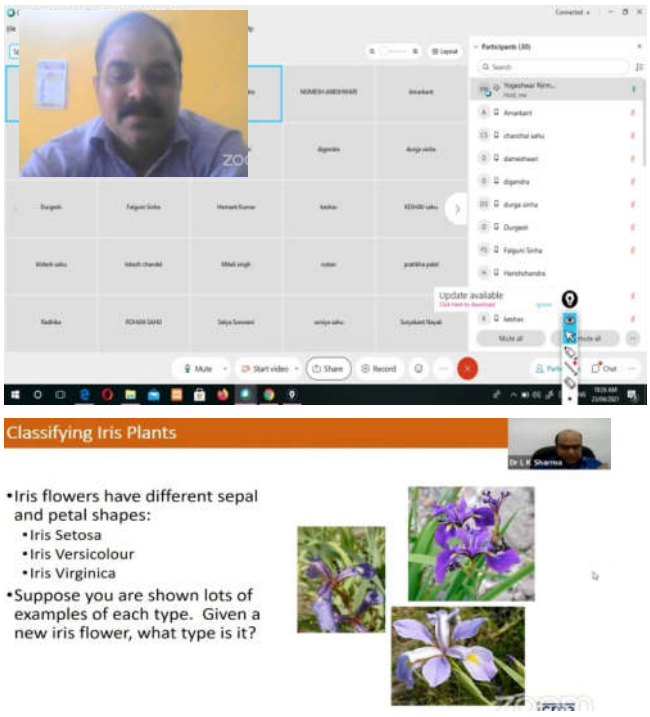

National webinar 13.04.2021

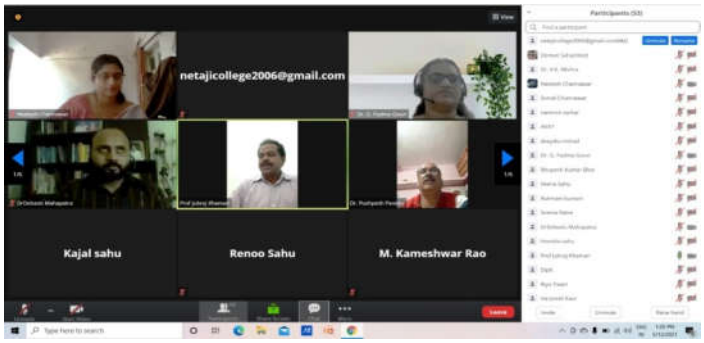

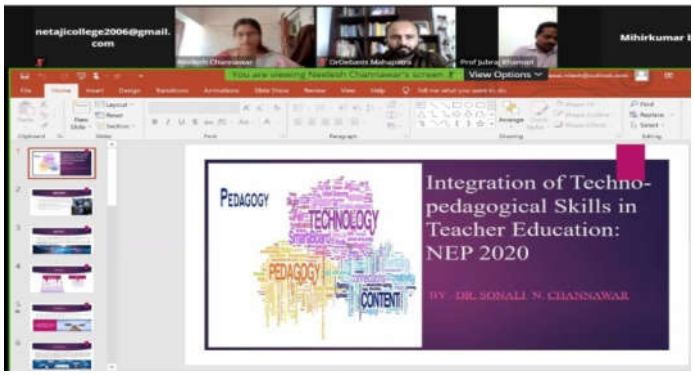

National webinar(12.05.2021)

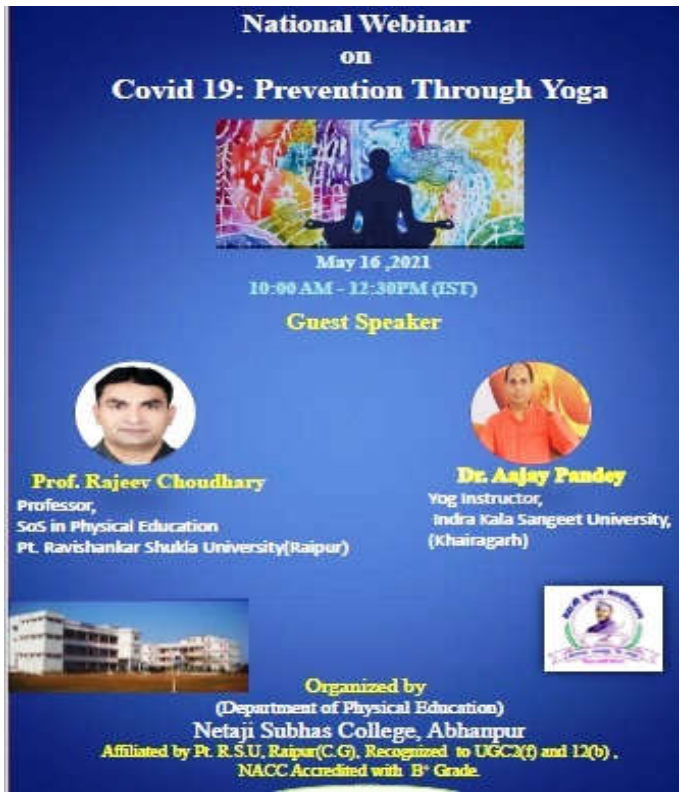

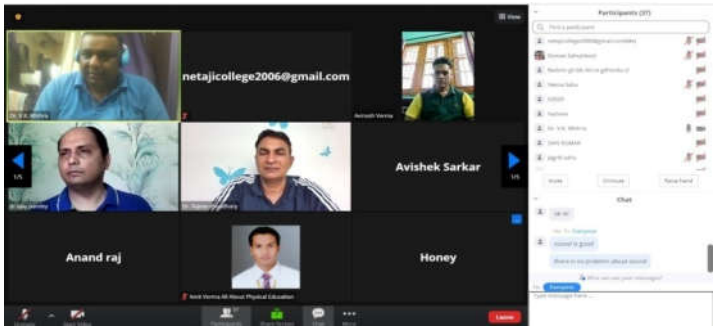

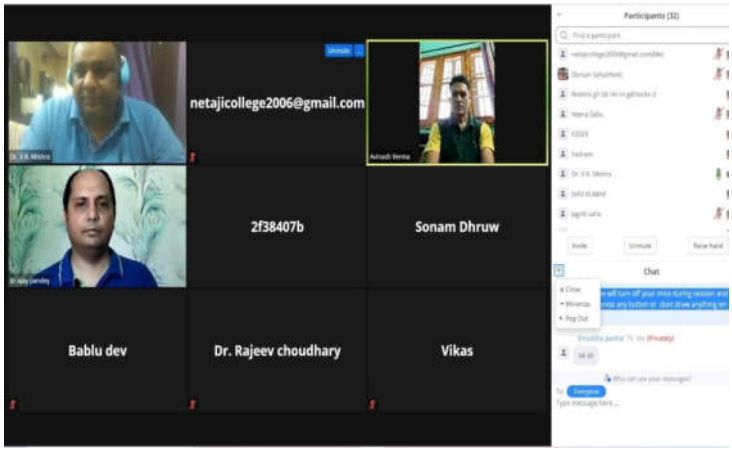

National Webinar(16.05.2021)

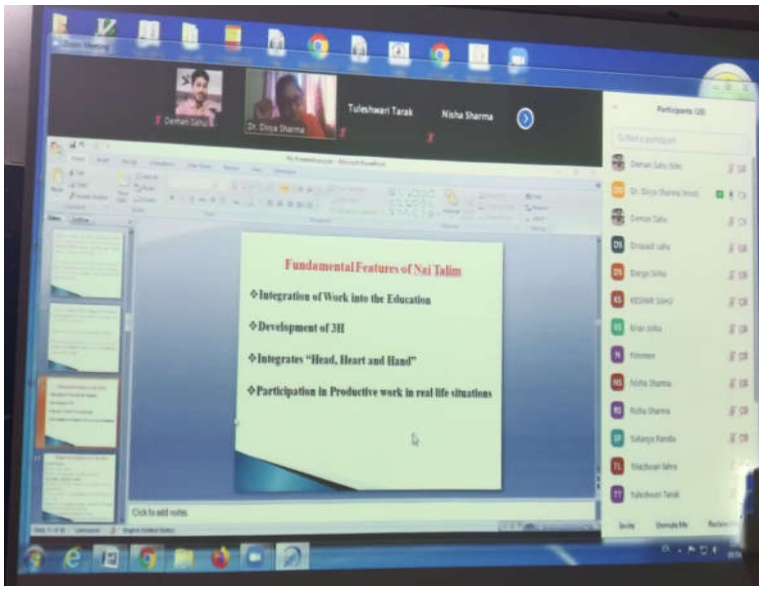

Guest Lecture 09.04.2021

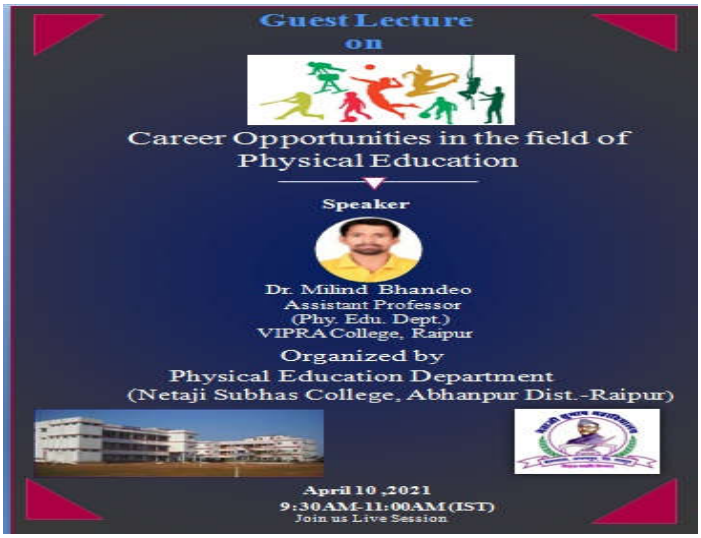

Guest Lecture10.04.2021

Guest Lecture 14.04.2021

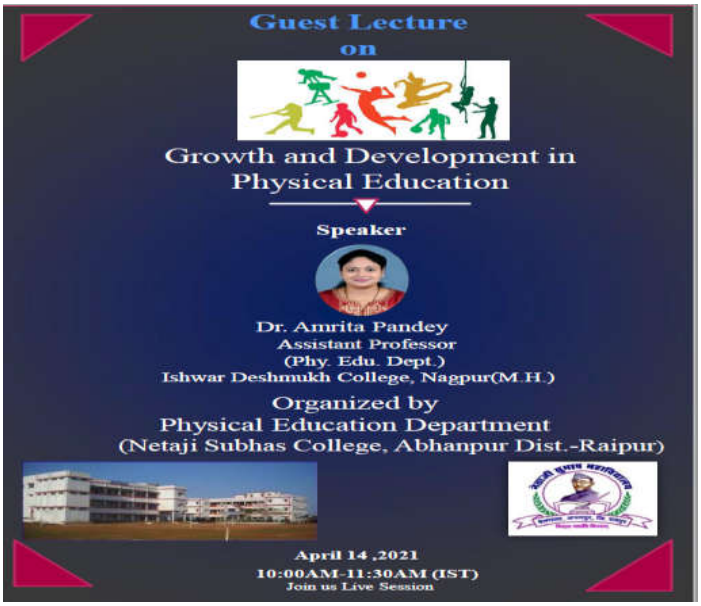

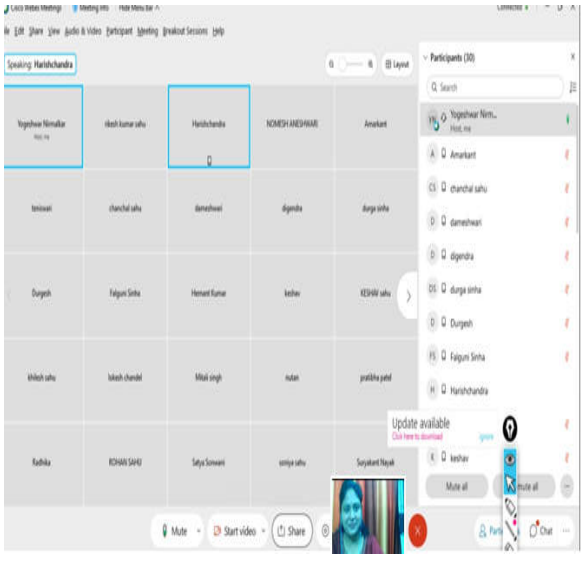

Guest Lecture 14.04.2021

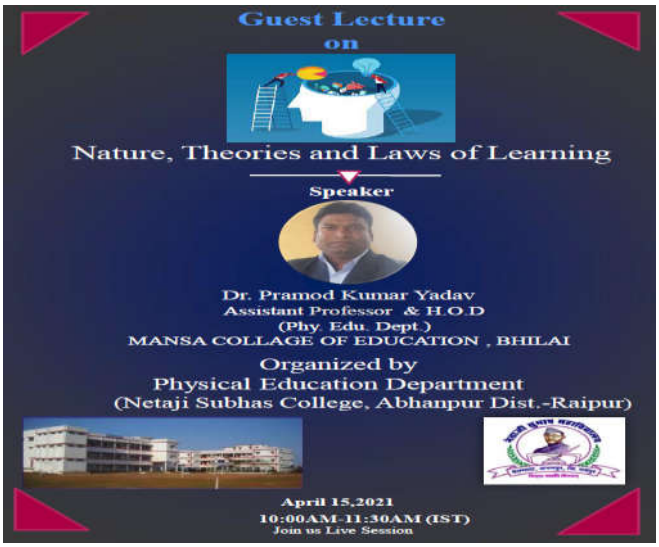

Guest Lecture15.04.2021

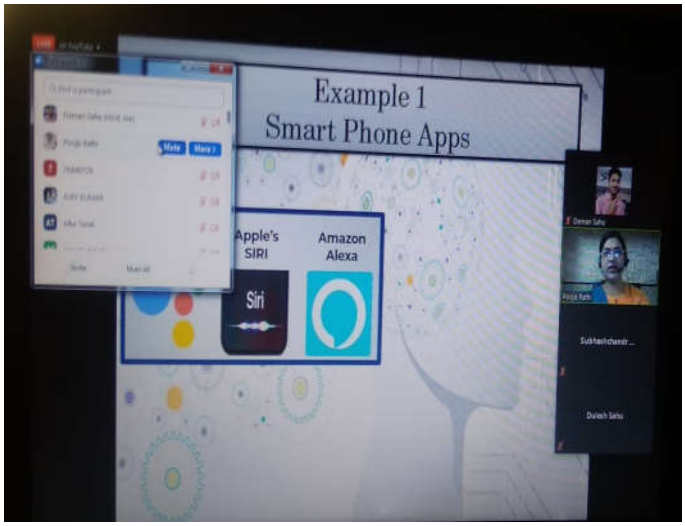

Guest Lecture20.04.2021

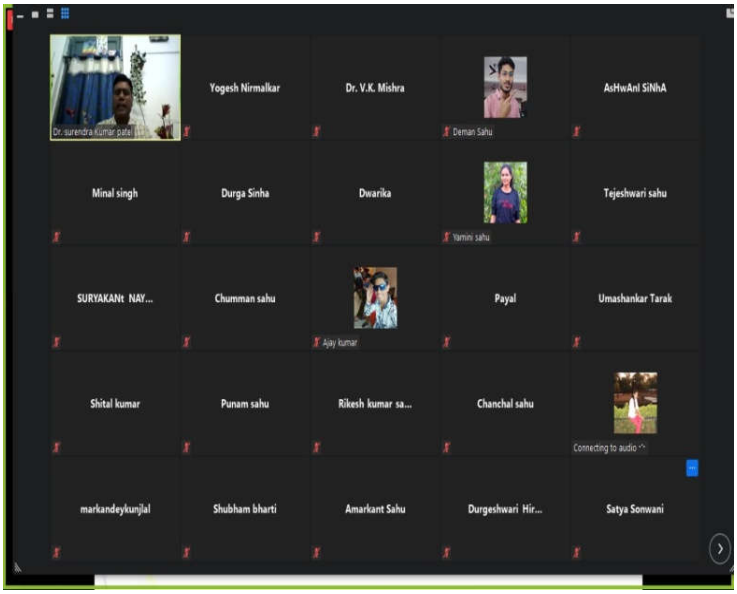

Guest Lecture 22.04.2021

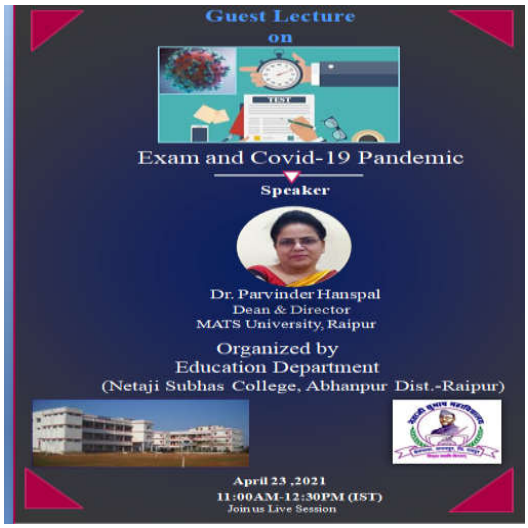

Guest Lecture 23.04.2021

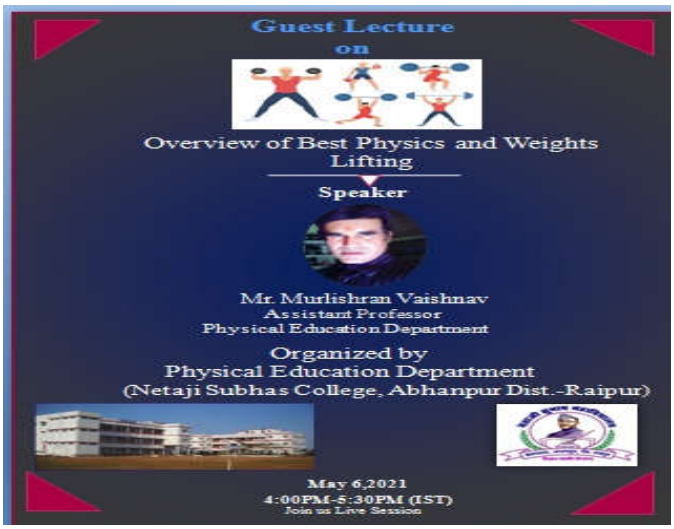

Guest Lecture 06.06.2021

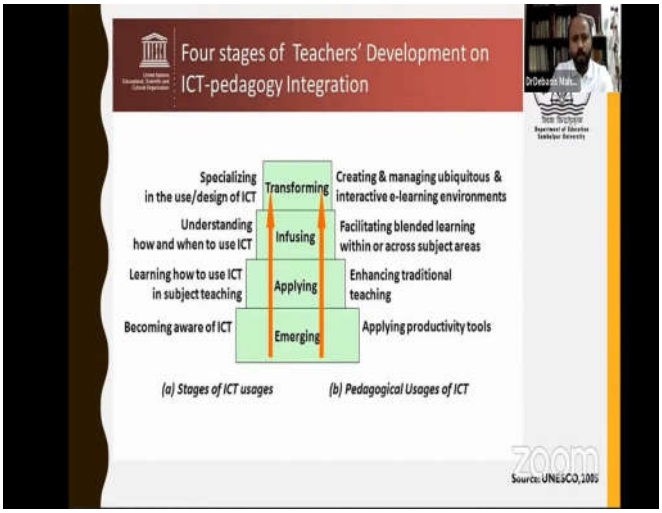

Guest Lecture 30.04.2021

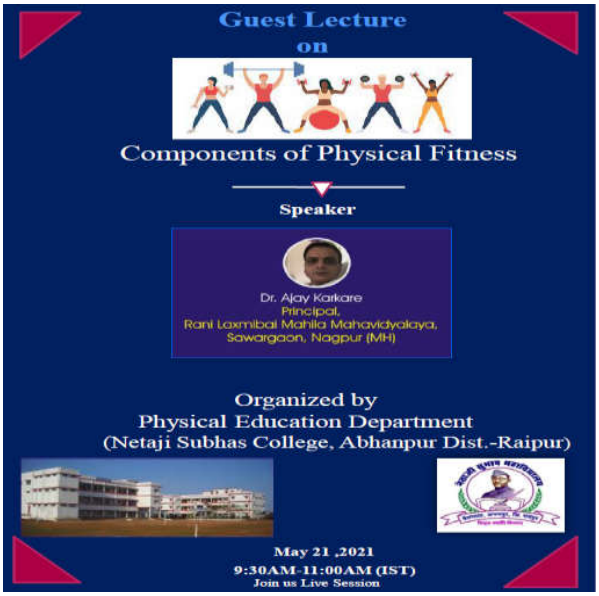

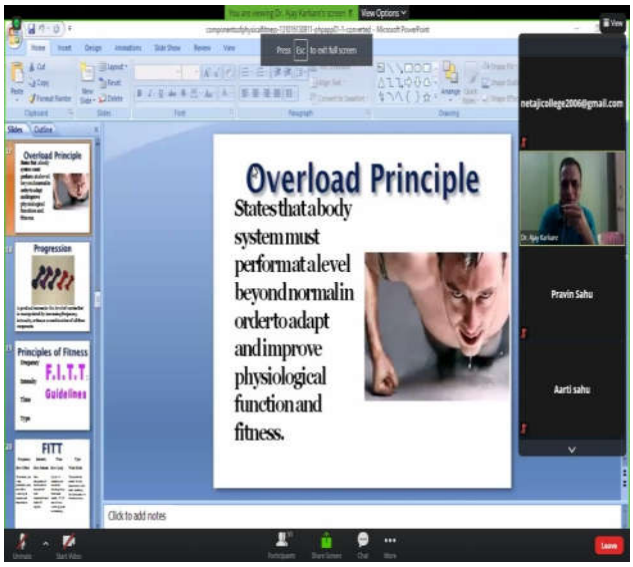

Guest Lecture 21.05.2021

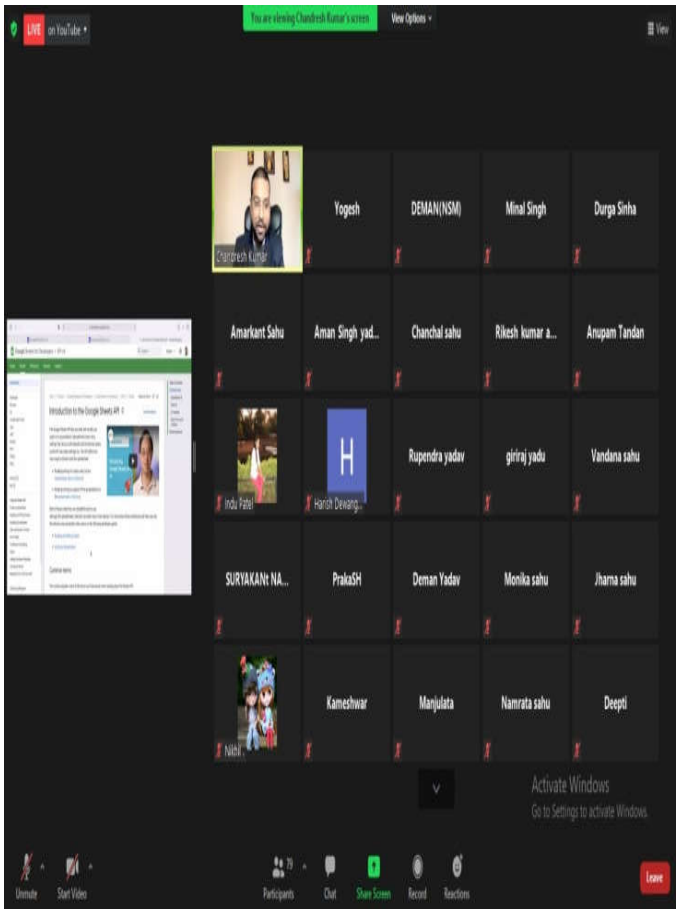

Guest Lecture 22.05.2021

नवभारत वार, 4 अप्रैल 2021 3

प्रभाती व धमेन्द्र प्रावीण्य में

अभनपुर. नेताजी सुभाष महाविद्यालय बेलभाठा अभनपुर के छात्र-छात्राओं ने पंडित रविशंकर विश्वविद्यालय द्वारा मई-जून 20019-20 की प्रवीण्य सूची में बाजी मारी. कॉलेज के शिक्षा संकाय, कम्प्यूटर एप्लीकेशन एवं शारीरिक शिक्षा संकाय के कुल 8 छात्र-छात्राओं ने प्रवीण्य सूची में अपना नाम सुनिश्चत कर कालेज को गौरवन्वित किया है उल्लेखनीय है कि प्रावीण्य सूची मे बीएड की कु. प्रभाती नायक ने 77.41 प्रतिशत एवं बीपीएड के धमेन्द्र कुमार माण्डले ने 79.93 प्रतिशत पाकर प्रथम स्थान गोल्ड मेडल प्राप्त किया एवं बीसीए अंतिम वर्ष के छात्र किरण कुमार ने 80 प्रतिशत प्राप्त कर प्रवीण्य सूची मे द्वितीय स्थान प्राप्त किया.बीपीएड के छात्र रविन्द्र कुमार खांडे 79.38 प्रतिशत अंको के साथ द्वितीय, कु.कविता कंवर 77.56 प्रतिशत अंकों के साथ चतुर्थ, यादराम 76.19 प्रतिशत अंकों के साथ छठा, रत्ना कुमारी 75 प्रतिशत अंको के साथ आठवां एवं कु.जागृति साहू 74.88 प्रतिशत के साथ दसवां स्थान अर्जित किया है.

हरिभूमि

रायपुर, शनिवार 20 फरवरी 2021

सोनेसिल्ली में निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आज

अभनपुर। नेताजी सुभाष महाविद्यालय शिक्षा संकाय एनएसएस इकाई एवं ग्राम पंचायत सोनेसिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में शनिवार को एक दिवसीय सामाजिक जन-चेतना एवं निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन शासकीय सामुदायिक स्वास्थ्य परीक्षण केन्द्र अभनपुर के सहयोग से किया जाएगा। उक्त शिविर में ग्रामवासियों को सामुदायिक स्वास्थ्य एवं शिक्षा की उन्नति के लिए जन-चेतना के माध्यम से प्रेरित किया जाएगा। कार्यक्रम में महाविद्यालय के बीएड व एनएसएस के विद्यार्थियों के द्वारा विभिन्न प्रेरक गीत, साहित्यिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी जाएगी। उक्त ▶▶ शेष पेज 10 पर

हरिभूमि

रायपुर - रत्न भूमि

22 Feb 2021

स्वास्थ्य परीक्षण एवं सामाजिक जनचेतना शिविर का किया आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अभनपुर

नेताजी सुभाष महाविद्यालय बेलभाठा अभनपुर व एनएसएस इकाई के संयुक्त तत्वावधान में एक दिवसीय सामुदायिक स्वास्थ्य परीक्षण एवं सामाजिक जन चेतना शिविर का आयोजन शनिवार को ग्राम पंचायत सोनेसिल्ली में आयोजित किया गया।

इस एक दिवसीय कार्यक्रम में बीएड छात्र-छात्राओं एवं एनएसएस इकाई द्वारा ग्राम के गली, मोहल्लों में भ्रमण कर स्वास्थ्य एवं सामाजिक जनचेतना संदेशों का प्रचार-प्रसार करते ग्राम के विभिन्न स्थानों पर स्वास्थ्य उन्नयन संबंधी नुक्कड़ नाटक, नशा मुक्ति आंदोलन, स्वास्थ्य शिक्षा व शिक्षा विकास संबंधी जानकारियां देते ग्रामवासियों के सामाजिक जनचेतना व जागरण में विशेष भूमिका निभाई। शिविर में आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी डॉ. एसबी तिवारी, चिकित्सा अधिकारी डॉ मेघा सुंदरानी, नेत्र चिकित्सा अधिकारी एसपी देवांगन, आरएमए अभिषेक मिश्रा, फार्मासिस्ट लक्ष्मण खिलवार व सुखनंदन वर्मा, एमएलटी देवकी साहू, आरएचओ आलेख विश्वकर्मा आदि लोगों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। शासकीय सामुदायिक स्वास्थ्य परीक्षण केन्द्र अभनपुर एवं मानिकचौरी के विशेष सहयोग से संचालन किया गया। चिकित्सकों एवं उनकी टीम द्वारा लगभग 260 व्यक्तियों के मधुमेह, रक्त परीक्षण सहित विभिन्न रोगों के संबंधित उपचार, सलाह के साथ निःशुल्क दवाईयों का वितरण किया गया। इस एक दिवसीय स्वास्थ्य परीक्षण व सामाजिक जन चेतना शिविर के उद्घाटन समारोह में ग्राम पंचायत सरपंच गोमेश्वरी साहू, सचिव मूलचंद साहू, उपसरपंच ताराचंद साहू, नेताजी कॉलेज प्राचार्य डॉ व्हीके मिश्रा, कार्यक्रम अधिकारी डॉ आरके तिवारी, रासेयो कार्यक्रम अधिकारी, डॉ नरेश कुमार साहू, डॉ एके दीवान, डॉ त्रिवेणी साहू, महाविद्यालय के स्टॉफ, छात्र-छात्राओं सहित ग्रामवासी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। उक्त अवसर पर प्राचार्य द्वारा कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों का प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मान किया गया।

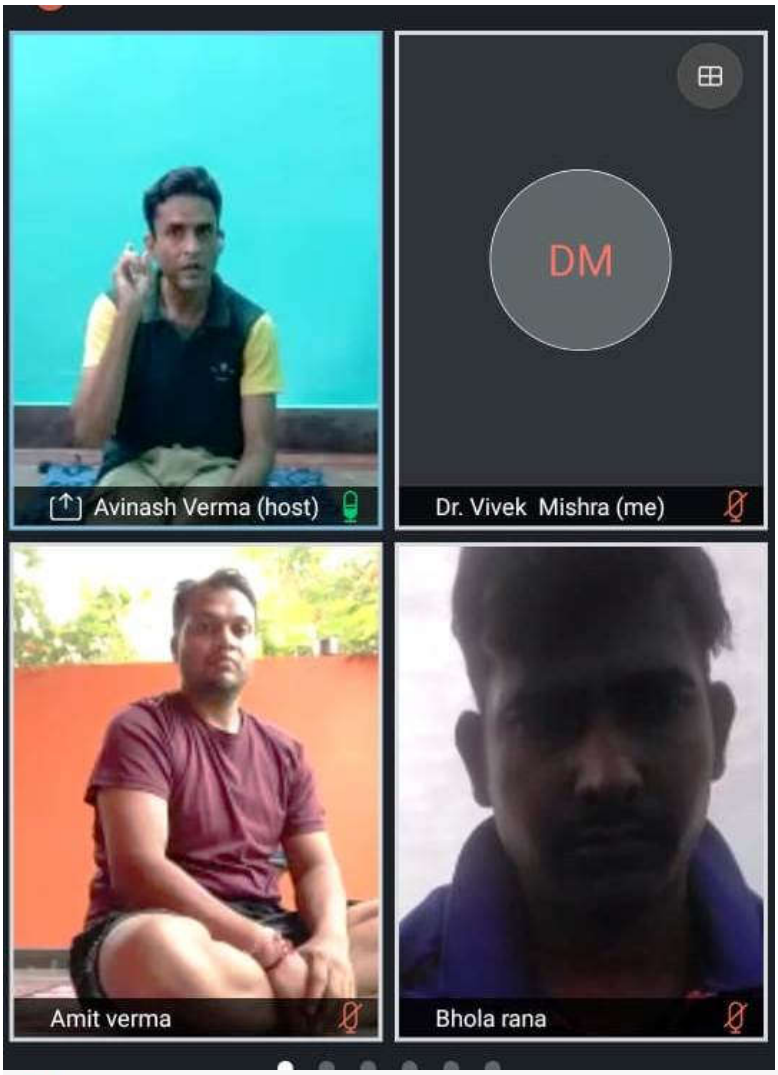

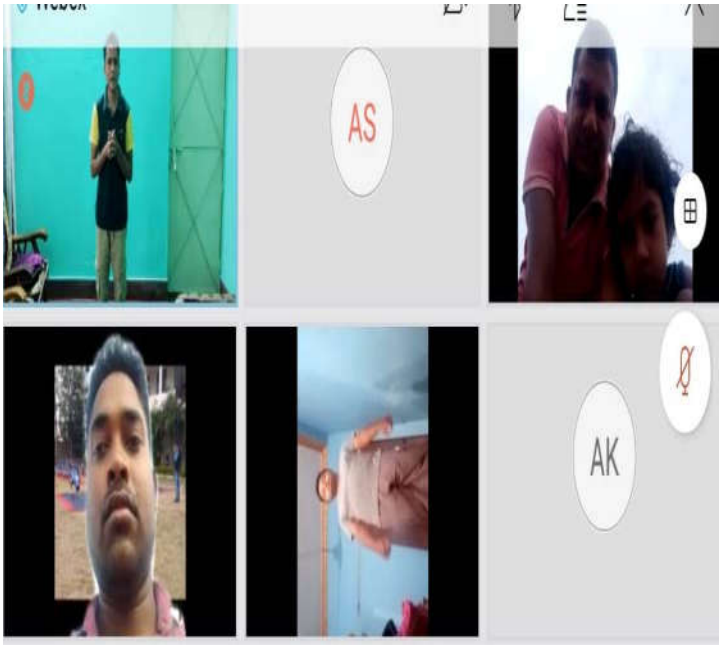

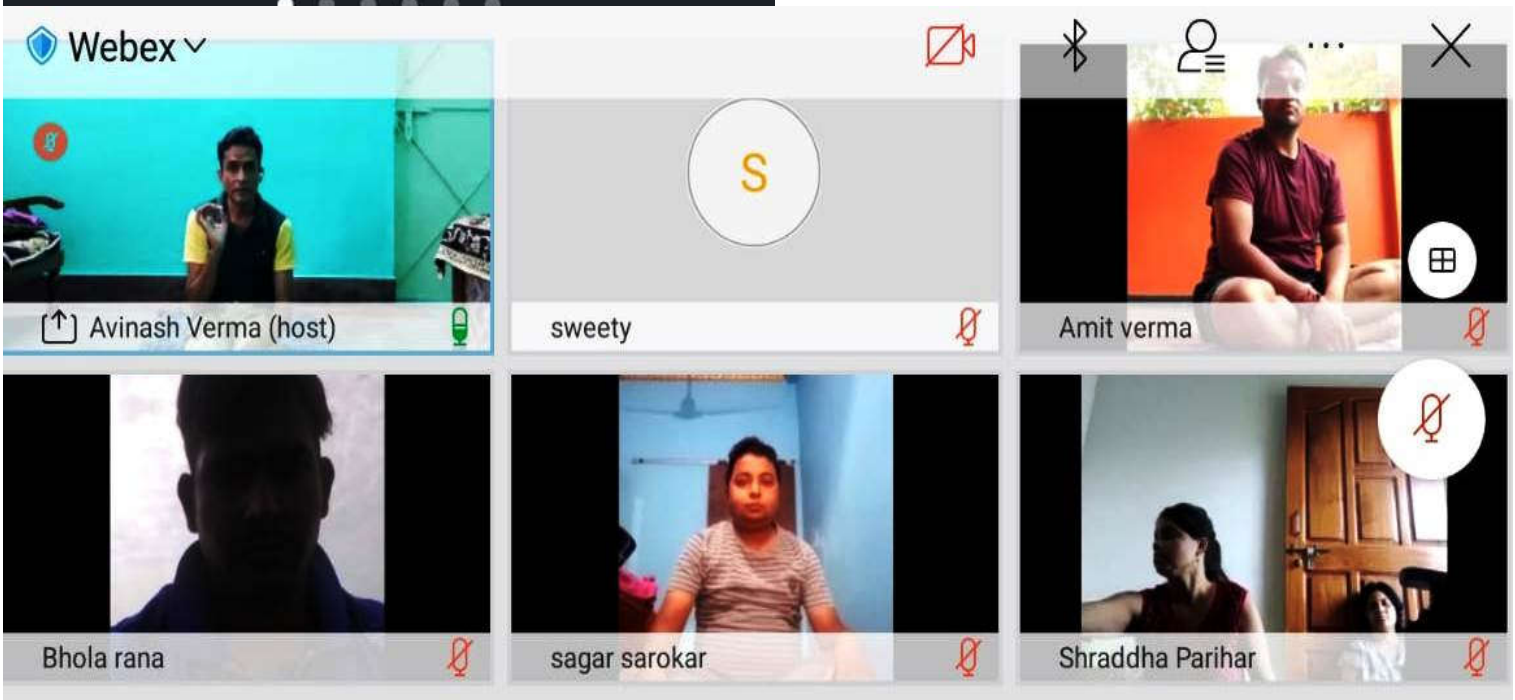

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस(21.06.2021)

हरिभूमि

रायपुर - रायपुर भूमि

27 Jun 2021

सुरक्षा के लिए अपने परिवार को शिविर का दिलाएं लाभ : मिश्रा

नवापारा-राजिम। नेताजी सुभाष महाविद्यालय, बेलभाठा, अभनपुर में जिला प्रशासन रायपुर एवं पं. रविशंकर शुक्ल वि. वि. के द्वारा संचालित कोविड-19 सघन टीकाकरण अभियान के अंतर्गत एक दिवसीय निःशुल्क कोविड-19 टीकाकरण शिविर का आयोजन नेताजी सुभाष महाविद्यालय, बेलभाठा अभनपुर में 28 जून से प्रातः 9 से संध्या 4 बजे तक किया जा रहा है। पं.र.वि.वि. के मार्गदर्शन में आयोजित इस शिविर का लाभ उठाने के लिए प्राचार्य डॉ. व्ही. के. मिश्रा ने महाविद्यालय के नियमित, भूतपूर्व, प्राइवेट विद्यार्थियों एवं सभी नागरिकगण को कोविड-19 बीमारी की गंभीरता से सुरक्षा के लिए स्वयं एवं अपने परिवारजनों को शिविर के माध्यम से लाभान्वित करने की अपील की है। महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना ईकाई के विद्यार्थियों द्वारा आस-पास के ग्रामीणों को टीकाकरण के लिए प्रेरित करने सघन जनचेतना अभियान प्रचार माध्यम - रैली, पब्लिक एडेज्स सिस्टम, बैनर, पोस्टर के द्वारा किया गया है। इसमें बेलभाठा, गिरोला, जांमगांव, थनौद, खोला, जंवईबांधा, उमरपोटी, सोनेसिल्ली, ठेलकाबांधा एवं गातापार गांवों में टीकाकरण के लिए प्रचार कर प्रेरित किया है।

■ सावधानी से जनता ने फिर मुँह मोड़ा

की लापरवाही एक बार फिर से भारी पड़ सकती है। लोग बाजारों में नियमों का पालन नहीं कर रहे है वही उद्योगों में जा रहे मजदूर सबसे जायदा लापरवाही को उजागर कर प्रदर्शन कर रही है वही लोगो की जीवन बचाने के लिए जहां जिला प्रशासन व जनप्रतिनिधियों ने अपनी पूरी ताकत वैक्सीन लगवाने की अपील में झोंक दी है पर इसका लोगो मे कोई फर्क नजर नही आ रहा।

ब्लॉक मुख्यालय धरसीवा क्षेत्र में कोरोना की दूसरी लहर में जहां कोरोना वायरस ने अपनी मौत का तांडव कर कई लोगों को अपनी चपेट में ले कर मौत की नींद सुला चुके हैं इसके बाद भी लोगों में मास्क लगाने व वैक्सीन लगवाने के प्रति कोई उत्सुकता दिखाई नहीं दे रहे हैं। जिससे लोगों की लापरवाही फिर भारी पड़ सकती हैं लोग बाजार में नियमों का पालन नहीं कर रहे हैं जिससे फिर से एक बार कोरोना का संकट खड़ा हो सकता है। खासकर बाजारों ,फल और सब्जी के ठेलो पर गंभीर लापरवाही सामने आ रही है कई जगह तो दुकानदार से लेकर ग्राहक तक मास्क नहीं लगा रहे हैं। फल के ठेलो पर तो भीड़ है इससे संक्रमण फैलने का सबसे ज्याद है वहीं महिलाएं भी परिवार के साथ बाजा के लिए बच्चों के साथ पहुंच रही है लेि बिना मास्क के बच्चों के जीवन को जो जा रहा है। मार्केट में दुकानदारों के बाहर दूरी का बिल्कुल भी पालन नही किया ज

टीकाकरण के लिए प्रेरित करने शिविर का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▸▸ अभनपुर

नेताजी सुभाष महाविद्यालय बेलभाटा में जिला प्रशासन एवं पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के द्वारा संचालित कोविड-19 सघन टीकाकरण अभियान के अंतर्गत एक दिवसीय निशुल्क कोविड-19 टीकाकरण शिविर का आयोजन महाविद्यालय परिसर में 28 जून सोमवार को सुबह 9:00 से शाम 4:00 बजे तक किया जाएगा। पंडित रविशंकर विश्वविद्यालय के मार्गदर्शन में आयोजित इस शिविर का लाभ उठाने के लिए प्राचार्य डॉ वीके मिश्रा ने नियमित, भूतपूर्व, प्राइवेट विद्यार्थियों एवं सभी नागरिको को कोविड-19 बीमारी की गंभीरता से सुरक्षा हेतु स्वयं एवं अपने परिवार जनों को शिविर के माध्यम से लाभ लेने की अपील की है। महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के विद्यार्थियों द्वारा आसपास के ग्रामीणों को टीकाकरण हेतु प्रेरित करने सघन जनचेतना अभियान प्रचार माध्यम रैली पब्लिक ऐड्रेस सिस्टम बैनर पोस्टर के द्वारा किया जा रहा है। उक्त जानकारी महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ आशीष दीवान ने दी है।

भारी मात्रा में

आरंग। वर्षा काल को देखते हुए अंचल के विभिन्न इलाकों में रेत माफि भारी मात्रा में रेत डम्प कर रखी गयी है 15 अक्टूबर तक छत्तीसगढ़ शास उत्खनन पर प्रतिबंध जारी कर दिय उत्खनन बंद होने के पूर्व रेत माफि आरंग क्षेत्र के विभिन्न रेत खदानों से जैसी भारी भरकम मशीनों की सहायत ट्रक रेत का उत्खनन कर डम्प कि अंचल के समोदा–कागदेही मेन रो

कॉलेजों में आज और कल लगेगा टीका

नवापारा राजिम| कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए अब कॉलेज में टीकाकरण कैंप लगाया जाएगा। सोमवार को बेलभाटा अभनपुर स्थित नेताजी सुभाषचंद्र महाविद्यालय और मंगलवार को नगर के फूलचंद कॉलेज में टीका लगाया जाएगा। सुबह 8 से शाम 4 बजे तक निशुल्क टीका लगाया जाएगा। प्राचार्या डॉ. शोभा गावरी ने बताया कि सीएमएचओ के निर्देश पर कॉलेजों में कैंप लगाए जा रहे।

यहां सभी विद्यार्थी व उनके परिजन टीका लगवा सकते हैं। हितग्राहियों को सिर्फ अपने आधार कार्ड की फोटोकॉपी लाना है। नए शिक्षण सत्र में विद्यार्थियों को बिना टीकाकरण के ऑफलाइन क्लास में प्रवेश नहीं मिलेगा।

महाविद्यालय में वृक्षारोपण कार्य (05.07.2021)